www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 31.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.935g
चांदी 100,000kg

2 ट्रंप की टैरिफ नीति से सतर्क रहे भारत, समझौते पर आगे बढ़ने से पहले करना होगा गहन मंथन

जज-सीबीआई चीफ बनकर 1 करोड़ 2 लाख ठगे 04

वर्ष :08 | अंक :346 | मुंबई ,शनिवार , 07 जून 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

ट्रक चालक की हत्या

गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र अंतर्गत वसुंधरा सेक्टर 13 में 30 वर्षीय एक ट्रक चालक की उसके परिचित ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गेंदालाल पटेल के रूप में हुई है, जिसे चवन्नी के नाम से भी जाना जाता था। पुलिस ने बताया कि वह मध्य प्रदेश के गुन्नौर का रहने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को स्थानीय चाय की दुकान के मालिक रंजीत को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। इंदिरापुरम के सहायक पुलिस आयुक्त अभिषेक श्रीवास्तव ने पुष्टि की कि शव को बुधवार रात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पटेल के शरीर पर दो फ्रैक्चर और कई अन्य चोट का पता चला है, जो एक क्रूर हमले का संकेत है। पुलिस के अनुसार, घटना मंगलवार रात करीब 10:30 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, गेंदालाल झुग्गी बस्ती में रंजीत की चाय की दुकान पर गया था। पुलिस के अनुसार, शराब पीने के बाद दोनों के बीच कथित तौर पर विवाद हो गया।

ओडिशा के कालाहांडी में पुलिस ने 6.5 टन विस्फोटक जब्त किया

ओडिशा के कालाहांडी जिले में पुलिस ने बृहस्पतिवार को लगभग 6.5 टन विस्फोटक और 115 डेटोनेटर जब्त किए तथा चार लोगों को गिरफ्तार किया। कालाहांडी पुलिस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि खनन अधिकारी द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर खनन विभाग और पुलिस द्वारा जयपटना पुलिस थाने के अंतर्गत लखबहाली में एक पत्थर खदान और क्रशर पर संयुक्त छापेमारी की गई। विस्फोटकों से लदे दो वाहन जब्त किये गये तथा दो चालकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। कालाहांडी के एसपी नागराज देवरकोंडा ने बताया कि पता चला है कि वाहनों में नियमों का उल्लंघन करते हुए 6.5 टन विस्फोटक ले जाया जा रहा था। एसपी ने बताया कि पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। इस बीच, राउरकेला से मिली खबर के अनुसार पुलिस ने व्यवसायी श्रवण अग्रवाल को दो दिनों के रिमांड पर लिया है। इससे पहले भी उसे विस्फोटक चोरी के एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। राउरकेला के एसपी नितेश वाधवानी ने कहा, हमने उसे आगे की जांच के लिए दो दिन की रिमांड पर लिया है। अगर जरूरत पड़ी तो हम रिमांड बढ़ाने की अपील करेंगे।

पाक कभी भी ऑपरेशन सिंदूर का नाम सुनेगा तो शर्मनाक शिकस्त याद आएगी

पीएम मोदी ने चिनाब ब्रिज और अंजी पुल का किया उद्घाटन, वंदे भारत को दिखाई हरी झंडी

उद्घाटन

जम्मू-कश्मीर को विकास की पटरी से उतारने के पाकिस्तान के मंसूबे पूरे नहीं होंगे: मोदी .छियालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश से जम्मू-कश्मीर के विकास को नयी दिशा मिलेगी: मोदी .विकसित भारत के संकल्प में महत्वपूर्ण भागीदार बन गये हैं हमारे युवा : मोदी

एजेंसी

कटरा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का उद्घाटन किया।प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद थे। उद्घाटन से पहले श्री मोदी ने पुल का निरीक्षण किया और इंजीनियरों तथा मजदूरों से बात की, जिन्होंने एक सपने को हकीकत में बदल दिया।चिनाब रेल पुल उत्कृष्ट वास्तुकला का जीता जागता उदाहरण है, यह नदी से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे का अर्द्ध चंद्राकार पुल है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह पुल 1315 मीटर लंबा है। स्टील अर्द्ध चंद्राकार पुल पर भूकंप और तूफान का कोई असर नहीं पड़े, इस तरह से बनाया गया है।पुल पर ट्रेन की आवाजाही शुरू होने पर जम्मू और श्रीनगर के बीच सफर आसान हो जायेगा। पुल पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेन के माध्यम से, कटरा और श्रीनगर के बीच यात्रा करने में महज तीन घंटे लगेंगे, जिससे मौजूदा यात्रा समय दो से तीन घंटे कम हो जायेगा।जम्मू और श्रीनगर के बीच 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना लगभग 43,780 करोड़ रुपये की लागत से बनायी गयी है, और इस दूरी को तय करने के दौरान 36 सुरंगें और 943 पुल आते हैं। यह परियोजना कश्मीर घाटी और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसमों में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है, जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है।

जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए, उसे आपने पूरा किया, पीएम मोदी का उमर अब्दुल्ला ने जताया दिल से आभार

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की नींव रखी गई थी, तब मैं 8वीं में पढ़ता था। अब मैं 55 साल का हो गया हूं और आखिरकार इसका उद्घाटन हो गया है। यह तभी संभव हो पाया जब अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे 'राष्ट्रीय महत्व की परियोजना' का दर्जा दिया और इसका बजट बढ़ाया। अपने जम्मू कश्मीर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान जम्मू कश्मीर के

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

जम्मू-कश्मीर को विकास की पटरी से उतारने के पाकिस्तान के मंसूबे पूरे नहीं होंगे: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमला पाकिस्तान की बड़ी साजिश थी लेकिन जम्मू-कश्मीर को विकास की पटरी से उतारने के उसके मंसूबे पूरे नहीं होंगे।श्री मोदी ने पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित घरों के मालिकों की सहायता बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर से रिहायशी इलाकों पर की गयी गोलाबारी में ज्यादा क्षतिग्रस्त मकानों के मरम्मत के लिए दो लाख रुपये और कम क्षतिग्रस्त हुए मकानों की मरम्मत के लिए एक लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी।

मोदी ने कहा कि पाकिस्तान की साजिश के खिलाफ जिस प्रकार जम्मू-कश्मीर के लोग उठ खड़े हुए हैं। जम्मू-कश्मीर की आवाम में इस बार जो ताकत दिखाई है, उसने सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, दुनियाभर में आतंकवाद को खड़ा संदेश दिया है।

मोदी को सरेंडर करने की आदत, बिहार में बोले राहुल गांधी

असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी भाजपा सरकार

राहुल गांधी ने एक सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कभी भी असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी, क्योंकि जिस दिन इन्होंने असली जातिगत जनगणना कर ली, उस दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। जातिगत जनगणना के दो मॉडल हैं- एक भाजपा वाला मॉडल, दूसरा तेलंगाना का मॉडल।

एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम उठाते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गया जिले के दशरथ नगर गांव का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, गांधी ने दशरथ मांझी के परिवार से मुलाकात की, जो गेहलौर गांव में एक पहाड़ को काटकर रास्ता बनाने के अपने उल्लेखनीय प्रयास के लिए प्रसिद्ध हैं। गांधी का दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी ने गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने पारंपरिक आतिथ्य के साथ उनका स्वागत किया। नेता ने परिवार के साथ नारियल पानी साझा किया, वित्तीय कठिनाइयों के बारे में उनकी चिंताओं को सुना, और गंभीर चर्चा की।इसके बाद राहुल गांधी ने एक सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कभी भी असली जातिगत जनगणना नहीं करवाएगी, क्योंकि जिस दिन इन्होंने असली जातिगत जनगणना कर ली, उस दिन इनकी राजनीति खत्म हो जाएगी। जातिगत जनगणना के दो मॉडल हैं- एक इखढ वाला मॉडल, दूसरा तेलंगाना का मॉडल। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के मॉडल में बंद कमरे में अफसरों ने सवाल तय किए, जिनमें 90% का कोई नहीं था। जातिगत जनगणना में सबसे जरूरी ये है कि कौन से सवाल पूछे जा रहे हैं। राहुल ने दावा किया कि हमने तेलंगाना में जनता से खुले तौर पर सवाल पूछे। हमने दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और उनके एसोसिएशन से कहा कि हम जातिगत जनगणना करवाने जा रहे हैं- आप कैसे सवाल चाहते हैं? हमें हर वर्ग के लोगों ने अलग तरह के सवाल दिए। करीब 3 लाख लोगों ने खुली बैठकों में जातिगत जनगणना के सवाल तैयार किए हैं।

यूपी बिहार समेत 8 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

असम में 7 लाख लोग बाढ़ प्रभावित, 21 मौतें; एमपी-राजस्थान में आंधी-बारिश की चेतावनी

राजस्थान: 8 जिलों में आज बारिश का अलर्ट; जयपुर-कोटा सहित 12 शहरों में बरसात

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से गुरुवार को जयपुर-अलवर सहित 12 जिलों में बारिश हुई। वहीं, आज भी वहीं, 8 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 7 जून से राज्य में हीटवेव का दौर शुरू होगा पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में मौसम सुहावना रहा। जयपुर, सीकर, झुंझुनूं समेत कई जिलों में गुरुवार सुबह से दोपहर तक बारिश हुई।

एजेंसी

नई दिल्ली , मौसम विभाग ने शुक्रवार को बिहार समेत पूर्वोत्तर के 7 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, 17 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। पश्चिमी राजस्थान, तमिलनाडु और पुडुचेरी में गर्मी-उमस की आशंका है। राजस्थान के 8 जिलों में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 12 जिलों में गुरुवार को भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वहीं, मध्य प्रदेश में शुक्रवार को लगातार 42 वें दिन आंधी-बारिश का अलर्ट है। भोपाल-इंदौर समेत 45 जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है।इधर, देश के पूर्वोत्तर राज्यों में गुरुवार को लगातार बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड के हालात बने रहे। असम के 21 जिलों में करीब 7 लाख लोग प्रभावित हैं। बाढ़-भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। वहीं, भूस्खलन से प्रभावित उत्तरी सिक्किम के चाटेन से 63 लोगों को हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया गया।

राहुल गांधी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं

अपने दम पर कुछ नहीं कर सकते, प्रशांत किशोर का तंज

प्रशांत किशोर ने कहा कि ये सब दिखावा है। राहुल गांधी और कांग्रेस ने जीवन भर लालू प्रसाद यादव का झंडा थामा है और अब तेजस्वी यादव का भी थामेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है...वे अपने दम पर कुछ नहीं कर सकते।

एजेंसी

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे को लेकर तंज कसा है। प्रशांत किशोर ने सारण में कहा कि राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव के परिवार के बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि ये सब दिखावा है। राहुल गांधी और कांग्रेस ने जीवन भर लालू प्रसाद यादव का झंडा थामा है और अब तेजस्वी यादव का भी थामेंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी में अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है...वे अपने दम पर कुछ नहीं कर सकते। इससे पहले प्रशांत किशोर ने गुरुवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं, जिन्होंने 9वीं कक्षा भी पास नहीं की है, जबकि आम लोगों के बच्चों को स्नातक करने के बावजूद नौकरी नहीं मिल रही है। राजद प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वह केवल लालू यादव की प्रशंसा कर रहे हैं और लोगों को उनसे सीखना चाहिए कि अपने बच्चों की देखभाल कैसे करें।किशोर ने बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए

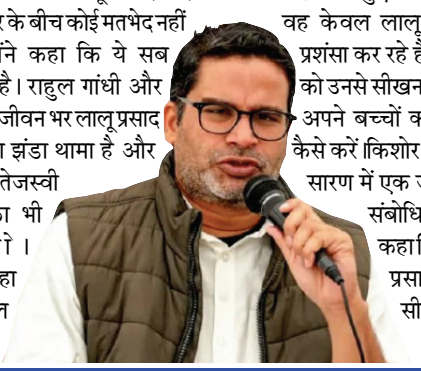

घोंडा इलाके में ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन से लेकर आईटीओ में राजस्व भवन में लगी आग

दिल्ली में एक दिन में आग लगने की 5 घटनाएं

एजेंसी

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के घोंडा इलाके में शुक्रवार (6 जून) को ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में भीषण आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन विभाग के मुताबिक, फैक्ट्री के चार्जिंग स्टेशन में दोपहर करीब 2.49 बजे आग लगी। आग बुझाने के लिए चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

बेंगलुरु भगदड़ : सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई त्रासदी...

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज

हाईकोर्ट से कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन को मिली बड़ी राहत, दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

तीन आयोजकों पर घटना में आपराधिक लापरवाही के लिए मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे, जब 4 जून को आईपीएल 18 विजेता आरसीबी को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ एकत्र हुई थी।

एजेंसी

सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के सिलसिले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के खिलाफ कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने दावा किया कि यह घटना सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई। स्नेहमयी कृष्णा ने कहा कि यह सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण हुई त्रासदी है। आरसीबी राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम नहीं है। यह शराब विक्रेताओं द्वारा खरीदी गई एक निजी टीम है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार को उन्हें आमंत्रित करने और उनका सम्मान करने की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून और सुरक्षा के संबंध में किसी भी पूर्व तैयारी के बिना विधान सौध के सामने जल्दबाजी में आयोजित कार्यक्रम के कारण यह त्रासदी हुई। उन्होंने त्रासदी के लिए मुख्यमंत्री और डीसीएम को जिम्मेदार ठहराया।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को मिली जान से मारने की धमकी

जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को जान से मारने की धमकी के बारे में जानकारी दी। कॉल करने वाले का फोन फिलहाल बंद है और इस मामले की जांच चल रही है।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को गुरुवार (5 जून) को पुलिस कंट्रोल रूम (पीसीआर) को कॉल करके जान से मारने की धमकी दी गई। पीसीआर कॉल कल रात करीब 11:00 बजे गाजियाबाद पुलिस को की गई। गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को जान से मारने की धमकी के बारे में जानकारी दी। कॉल करने वाले का फोन फिलहाल बंद है और इस मामले की जांच चल रही है। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार ने शहर के सभी स्कूलों में वाटर वेंडिंग मशीनें लगाने का फैसला किया है।

तंज कांग्रेस ने कसा मोदी पर तंज

प्रधानमंत्री श्रेय लेने में बहुत आगे... चिनाब पुल के उद्घाटन पर राजनीति तेज

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी ने कभी भी शासन में निरंतरता को स्वीकार नहीं किया, क्योंकि वह हमेशा आत्म-प्रशंसा और आत्म-प्रचार की तलाश में रहते हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल और उदमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे परियोजनाएं शासन में निरंतरता के उदाहरण हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने एएनआई से कहा कि प्रधानमंत्री कभी भी शासन में निरंतरता को स्वीकार नहीं करते, क्योंकि वह हमेशा आत्म-प्रशंसा और आत्म-प्रचार की तलाश में रहते हैं। ब्रह्मोस मिसाइल भी शासन में निरंतरता का एक उदाहरण है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि इस परियोजना को मार्च 1995 में मंजूरी दी गई थी जब पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे, उन्होंने कहा कि चिनाब ब्रिज के सभी अनुबंध 2005 में दिए गए थे। रमेश ने कहा, उदमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे परियोजना को मार्च 1995 में मंजूरी दी गई थी जब पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे। मार्च 2002 में, अटल बिहारी वाजपेयी ने इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जब वह प्रधानमंत्री थे... चिनाब ब्रिज के सभी अनुबंध 2005 में दिए गए थे। उन्होंने कहा कि बारामूला से लेकर श्रीनगर, श्रीनगर से लेकर अनंतनाग, अनंतनागसे काजीगुंड और काजीगुंड से लेकर बनिहाल तक इस योजना का उद्घाटन 2014 से पहले ही कर लिया गया था... 272 किलोमीटर में से 160 किलोमीटर ट्रैक का उद्घाटन 2014 से पहले हो गया था। चिनाब पुल एक प्रतिष्ठित पुल है। हम भारतीय रेल को बधाई देना चाहते हैं। हम बधाई देते हैं, जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए यह बहुत महत्व रखता है और भारतीय रेल के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है... लेकिन कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री को याद दिलाना चाहती है कि उन्हें शासन में निरंतरता को स्वीकारना चाहिए... पहले की सरकार द्वारा जो काम किए गए हैं, प्रधानमंत्री उनका श्रेय लेने में बहुत आगे हैं। इसमें उनका कोई मुकाबला नहीं है। परियोजना में विभिन्न प्रधानमंत्रियों के योगदान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के लोगों और भारतीय रेलवे के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है, लेकिन निरंतरता में शासन को मान्यता दी जानी चाहिए। यह पिछले 30 वर्षों की सामूहिक उपलब्धि है... उन्होंने कहा कि लगातार प्रधानमंत्रियों ने इन परियोजनाओं को वास्तविकता बनाने के लिए काम किया है। इस बीच, शुक्रवार को कटरा के स्कूली बच्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इंतजार करते हुए उत्साह देखा गया।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद ने एएनआई से कहा कि प्रधानमंत्री कभी भी शासन में निरंतरता को स्वीकार नहीं करते, क्योंकि वह हमेशा आत्म-प्रशंसा और आत्म-प्रचार की तलाश में रहते हैं। ब्रह्मोस मिसाइल भी शासन में निरंतरता का एक उदाहरण है।

बीजेपी ने मांगा सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का इस्तीफा, सीएम का आया जवाब

एजेंसी

नयी दिल्ली। विपक्षी भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की। विपक्षी नेता आर अशोक ने इस दुखद घटना को क्रिकेट एसोसिएशन का कार्यक्रम बताकर जिम्मेदारी से बचने के लिए सिद्धारमैया की आलोचना की। अन्य नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि भगदड़ में कई लोगों की मौत की सूचना मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री ने होटल में खाना खाया और बादाम हलवा खाया। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ने दबाव में आकर ही यह कदम उठाया है। आरसीबी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कल मुख्यमंत्री ने अचानक बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पांच अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया। असली आरोपी कोई और नहीं बल्कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया हैं। आरोपी नंबर 2 उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार हैं। आरोपी नंबर 3 गृह मंत्री जी. परमेश्वर हैं। उनकी वास्तव में जांच होनी चाहिए।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ने दबाव में आकर ही यह कदम उठाया है। आरसीबी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कल मुख्यमंत्री ने अचानक बेंगलुरु सिटी पुलिस कमिश्नर समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पांच अन्य अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

सम्पादकीय

शिक्षकों की कमी से जूझते शिक्षा संस्थान, शिक्षकों की कमी को जल्द दूर करना चाहिए

वैश्विक जनसंख्या में भारत की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है। इसके बावजूद उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विदेशी छात्रों में भारत की हिस्सेदारी महज एक प्रतिशत है। शिक्षा बजट को मजबूती देने के लिए भारत सरकार ने 2004 में दो प्रतिशत शिक्षा उपकर लागू किया था। 2019 से इस शिक्षा उपकर को चार प्रतिशत शिक्षा एवं स्वास्थ्य उपकर से बदल दिया गया। जब हम विश्वगुरु बनने की बात करते हैं, तब शिक्षा संस्थानों की भूमिका की भी चर्चा करते हैं, लेकिन इस समय हमारे दस केंद्रीय विश्वविद्यालय नियमित कुलपतियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसमें बीएचयू में छह माह और इग्नू में एक वर्ष से कुलपति के पद खाली हैं। पिछले महीने लगभग एक वर्ष के पश्चात शिक्षा मंत्रालय ने चार केंद्रीय विश्वविद्यालयों-बीबीएयू लखनऊ, ईएफएलयू हैदराबाद, पांडिचेरी और वर्धा हिंदी विश्वविद्यालय में कुलपति नियुक्त किए। विश्वभारती विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति दो साल बाद की गई। राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति के लगभग 30 प्रतिशत पद खाली हैं। नियुक्तियों में देरी से शैक्षणिक और प्रशासनिक, दोनों कार्य बाधित होते हैं। महत्वपूर्ण पदों को अनिश्चितकाल तक रिक्त छोड़ना इन संस्थानों के विकास के लिए हानिकारक है। पहले से ही पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाओं के अभाव से जूझते विश्वविद्यालयों की एक बड़ी समस्या शिक्षकों की कमी भी बन चुकी है। संसद के पिछले सत्र में शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बताया था कि 31 जनवरी, 2025 तक विश्वविद्यालयों में 5,410 से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि राज्य विश्वविद्यालयों में 40 प्रतिशत से अधिक अध्यापकों के पद खाली हैं। देश भर में ज्ञान के नए-नए केंद्र तो खुल रहे हैं, पर उनमें अध्यापकों की कमी है। शिक्षकों की कमी के चलते शैक्षणिक सत्र समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। शिक्षकों के रिक्त पद भरने के मामले में यह नहीं कहा जा सकता कि योग्य शिक्षक नहीं हैं। तदर्थ नियुक्त अध्यापकों की संख्या प्राथमिक स्तर से लेकर विश्वविद्यालय तक निरंतर बढ़ती जा रही है। तदर्थ नियुक्तियों का दुष्प्रभाव केवल तात्कालिक नहीं होता। एक अध्यापक की नियुक्ति पीढ़ियों पर प्रभाव डालती है। ज्ञान केंद्रों को ऐसे तदर्थ शिक्षकों के हाथों में छोड़ देना कहां तक उचित है, जिन्हें अपने कल की चिंता अधिक हो? ज्यादातर जगहों पर इन्हें स्थायी अध्यापक की तुलना में सीमित या नगण्य सुविधाएं दी जाती हैं। मई 2024 तक उच्च शिक्षा में भारत का सकल नामांकन अनुपात 28.4 प्रतिशत था, जिसमें लगभग 1,200 संस्थानों में 4.3 करोड़ से अधिक छात्र नामांकित थे। यह आंकड़ा मौजूदा वैश्विक औसत 36.7 प्रतिशत से काफी नीचे है।

आज का विचार

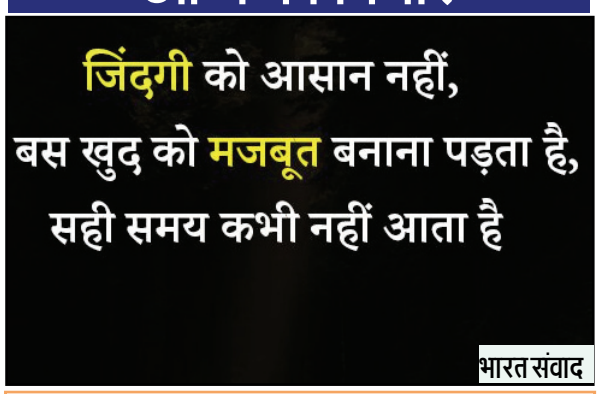

राशिफल

मेष राशि: आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा. ऑफिस में आपका अच्छा काम देखकर कलीग आपसे कुछ नया सीखेंगे। आप लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे इससे आपको गर्व महसूस होगा.

वृष राशि: व्यापार में अच्छा लाभ होने से आप अपनी नयी ब्रांच ओपन करने का विचार अपने घरवालों के साथ करेंगे. आपको परिवारवालों का पूरा सहयोग मिलने से कोई बड़ी समस्या का समाधान कर लेंगे. इस राशि के जो लोग संगीत के क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन शुभ है.

मिथुन राशि: आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे, उस काम की शुरूआत आज से कर सकते हैं. जल्द ही आपको काम के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. जो लोग आपके विरोधी थे वो लोग भी आज आपसे दोस्ती का हाँथ बढ़ा सकते हैं.

कर्क राशि: आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा. शुरूआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होते-होते किसी काम में रुकावट भी आ सकती है. कोई भी जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरुर ले लें.

सिंह राशि : जो छात्र विदेश में हॉयर एजुकेशन के लिये जाना चाहते हैं, वो किसी से इस बारे में राय ले सकते हैं. आज रुपए पैसों की लेन-देन में आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है. किसी को पैसे उधार देने से पहले अच्छेसे जांच-पड़ताल कर लें. बदलते मौसम में ध्यान रखने की जरूरत है

कन्या राशि : आप आपके कार्य जरूर सफल रहेंगे. जो लोग लंबे समय से अपनी कन्या के लिए वर की तलाश कर रहे हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है. कन्या के लिए आपको सुयोग्य वर मिलने के योग हैं. कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है. दाम्पत्य संबंधों में मधुरता आयेगी.

तुला राशि : किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है. आने वाले समय में वह आपके लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा. जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुडे हैं, उनके लिए दिन अच्छा रहने वाला है.

वृश्चिक राशि: आपको मन मुताबिक फल मिलेंगे. अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें. किसी के साथ पार्टनर शिप के लिए दिन अच्छा रहेगा.

धनु राशि: आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे. जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिए दिन बहुत-सी तरक्की दिलाने वाला रहेगा. आपकी पार्टी आपको कोई बड़ा पद भी दे सकती है. जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा.

मकर राशि : किसी सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की भी जरूरत है. किसी भी तरह की लापरवाही आपको नुकसान पंहुचा सकती है. जो लोग थोक विक्रेता है, उनको आज विशेष लाभ होगा.

कुंभ राशि: घर और बाहर हर जगह आपकी तारीफ होगी, हर कोई आपके अच्छे व्यवहार से प्रभावित होगा. समाज से जुड़े कार्यों को करने के लिये दिन उत्तम है. आप किसी एनजीओ की शुरूआत या किसी सामजिक संगठन से जुड़ सकते हैं.

मीन राशि : कला और साहित्य से जुड़े लोगों को आज प्रसिद्धि मिलेगी. आपको किसी बड़े ग्रुप से जुड़ने का मौका मिलेगा. ज्यादा से ज्यादा समय आप अपने घर वालों के साथ गुजार सकते हैं. आप सबके साथ कहीं घूमने जाने का प्लॉन भी बना सकते हैं. धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी. छोटे उद्योगों में निवेश के लिये दिन अच्छा साबित हो सकता है. किसी प्रोडेक्ट की मार्किटिंग के लिए भी दिन अच्छा है. आपकी पदोन्नति के आसार भी बन रहे हैं। अपने ईष्ट देव के आगे हाथ जोड़कर प्रणाम करें,

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ट्रंप की टैरिफ नीति से सतर्क रहे भारत, समझौते पर आगे बढ़ने से पहले करना होगा गहन मंथन

सच तो यह है कि ट्रंप की टैरिफ नीति अमेरिका का अहित करते हुए उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन को बढ़त दिलाने का आधार तैयार करेगी। अपने नागरिकों को आयकर से राहत दिलाने के फेर में ट्रंप उन्हें सस्ते चीनी सामानों की लत लगाने का जोखिम उठा रहे हैं। उनकी टैरिफ नीति अमेरिका के व्यापार साझेदारों के लिए किसी कड़े संदेश से कम नहीं।

पा अमेरिका की गिनती उन देशों में होती है, जो एक सुव्यवस्थित ढांचे से संचालित होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी अप्रत्याशित नीतियों से इस ढांचे में हलचल मचाए हुए हैं। एक बड़ी हलचल उनकी टैरिफ नीति के कारण मची है और उसका असर दुनिया भर में है। वह अपनी टैरिफ नीति से दूसरे देशों पर नकेल कसने और अमेरिकी खजाने को भरने का सपना पाले हुए हैं। उन्होंने बड़े जोर-शोर से टैरिफ का एलान करते हुए उसे अमेरिकी इतिहास में ह्यलिबरेशन डेह्न यानी मुक्ति दिवस की संज्ञा दी थी। हालांकि अमेरिकी तंत्र के जरिये ही उनका यह सपना बिखरता दिख रहा है। उनकी टैरिफ नीति को कानूनी, आर्थिक एवं कूटनीतिक, सभी मोर्चों पर चुनौती मिल रही है। ट्रंप प्रशासन ने राष्ट्रीय आपातकाल का हवाला देते हुए जिस टैरिफ नीति की पैरवी की थी, उसे अमेरिकी संघीय अदालत ने राष्ट्रपति की प्राधिकारी शक्तियों की सीमा का उल्लंघन करार दिया। अदालत ने कहा कि कांग्रेस यानी संसद की निगरानी के बिना कार्यपालिका को अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियिम के प्रयोग का ऐसा अधिकार नहीं मिल सकता कि वह टैरिफ को लेकर मनमाने फैसले कर सके। वैसे अदालत ने ट्रंप की नीति पर अस्थायी रूप से रोक लगाई है और इसमें आगे सुनवाई जारी रहेगी, लेकिन वैश्विक व्यापार तंत्र पर इसके प्रभाव दिखने लगे हैंकानूनी मोर्चे से जुड़ा यह मामला टैरिफ नीति का आधा-अधूरा किस्सा है। व्यापार को लेकर ट्रंप का दृष्टिकोण विसंगितयों से भरा है।

वह टैरिफ को किसी अक्षय निधि के रूप में देख रहे हैं कि इसके चलते लोगों को आयकर से मुक्ति दिलाई जा सकती है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था का कायापलट हो सकता है। वास्तविकता के धरातल पर उनका यह भ्रम टूट रहा है।टैरिफ के जरिये सरकारी खजाने को भरने की ट्रंप की संकल्पना की न केवल अदालतों, बल्कि सामान्य आर्थिक सिद्धांतों के आधार पर भी हवा निकल रही है। दरअसल ट्रंप ने दोबारा सत्ता में वापसी के साथ ही पहले कार्यकाल वाले अपने ढर्रे को आगे बढ़ाना शुरू किया है। टैरिफ को हथियार बनाना, आपात शक्तियों का उपयोग करना एवं संसद को दरकिनार करना उनकी कार्यप्रणाली के मूल में है। राष्ट्रपति की कमान संभालते ही उनके प्रशासन ने अनाप-शनाप टैरिफ लगाकर कहा कि इसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को संरक्षण प्रदान करना और सरकारी खजाने की सेहत को सुधारना है, लेकिन अदालत ने उनकी इस राह में अवरोध पैदा कर दिया। अदालत ने कहा कि मनमाने आर्थिक फैसलों के लिए आपात शक्तियों को ढाल नहीं बनाया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति की वजह से विधायिका और कार्यपालिका के बीच जो असंतुलन पैदा हुआ, उसे अदालत ने संतुलित करने का काम किया है, लेकिन यह सिर्फ अमेरिका का घरेलू कानूनी मसला नहीं है। इसके चलते ब्रिटेन से लेकर भारत जैसे उन तमाम देशों के लिए अनिश्चितता बढ़ गई है, जो अमेरिका के साथ व्यापार समझौता वार्ता में लगे हैं। अगर राष्ट्रपति ट्रंप की मर्जी से टैरिफ नीति बने और अदालत उसे खारिज कर दे तो फिर कैसे स्थिर एवं दीर्घकालिक व्यापार समझौतों पर बात बन सकती है? वैसे ट्रंप के लिए यह कानूनी झटका आर्थिक मोर्चे पर भी उतना ही तगड़ा दिख रहा है। ट्रंप दोहरा रहे हैं कि दो लाख डालर से कम की आय वाले अमेरिकियों को आयकर नहीं देना होगा। इसके लिए वह विदेशियों की कमाई पर नजर गड़ाए हुए हैं। 2024 में अमेरिकी सरकार ने 4.9 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राजस्व अर्जित किया। इसमें से केवल 100 अरब डालर की प्राप्ति आयात शुल्क से हुई। अगर इस साल मई तक इस संग्रह में 47 अरब डालर की बढ़ोतरी और मान ली जाए तो यह भी मामूली ही होगी। ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो का सुझाव है कि सभी आयात पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाने से सालाना 600 अरब डालर का राजस्व मिल सकता है। यह आकलन भी बुनियादी गणित पर खरा नहीं उतरता। आखिर ऊंचे टैरिफ को टिकने के लिए आधार भी तो चाहिए। जब टैरिफ बढ़ते हैं तो सामान्य रूप से आयात की मांग घट जाती है और इसके प्रतिक्रियास्वरूप जितना लाभ मिलता है, उससे अधिक नुकसान होने की आशंका रहती है। पेन व्हार्टन बजट माडल ने इस हानि को लेकर एक बहुत व्यावहारिक आंकड़ा 290 अरब डालर सालाना का दिया है। द टैक्स फाउंडेशन ने करीब 140 अरब डालर का अनुमान व्यक्त किया है। ये सभी आकलन ट्रंप के आयकर से राहत दिलाने वाले उस सपने से बहुत दूर रह जाते हैं, जिसकी पूर्ति के लिए 2025 में ही 740 अरब डालर की लागत आएगी। सच तो यह है कि ट्रंप की टैरिफ नीति अमेरिका का अहित करते हुए उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन को बढ़त दिलाने का आधार तैयार करेगी। अपने नागरिकों को आयकर से राहत दलाने के फेर में ट्रंप उन्हें सस्ते चीनी सामानों की लत लगाने का जोखिम उठा रहे हैं। उनकी टैरिफ नीति अमेरिका के व्यापार साझेदारों के लिए किसी कड़े संदेश से कम नहीं। स्टील-एल्युमीनियम को लेकर ब्रिटेन के साथ बात बनते-बनते बिगड़ गई। जापान, कनाडा और यूरोपीय संघ भी यह आकलन करने में लगे हैं कि टैरिफ को लेकर ट्रंप के पैंतरे में आखिर कितना दम है। भारत के लिए भी यह नाजुक समय है। नई दिल्ली वाशिंगटन के साथ आर्थिक एवं तकनीकी संबंधों को लेकर सतर्कता के साथ कदम बढ़ा रही है। यह समय की मांग है कि यदि ट्रंप की टैरिफ नीति को ध्यान में रखकर ही अमेरिका से कोई समझौता किया जा रहा है तो उस पर गहराई से विचार किया जाए, क्योंकि ऐसा समझौता जोखिम भरा हो सकता है। भारत को केवल आर्थिक रियायतों की ही नहीं, बल्कि कानूनी सुनिश्चितता की भी गारंटी लेनी होगी। ध्यान रहे कि रणनीतिक धैर्य कोई सहूलियत नहीं, बल्कि आवश्यक पहलू है। ऐसा लगता है कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में लगे देशों को अदालती हस्तक्षेप के चलते कुछ राहत मिलेगी। अदालत के रुख से स्पष्ट है कि अमेरिका की व्यापार नीति न्यायिक निगरानी के दायरे से बाहर नहीं। आर्थिक आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं कि टैरिफ के दम पर किसी आधुनिक कल्याणकारी राज्य का संचालन संभव नहीं।

बदलते दौर में शहरीकरण हमें आहिस्ता-आहिस्ता मशीन बनाता जा रहा है

विजय गर्ग

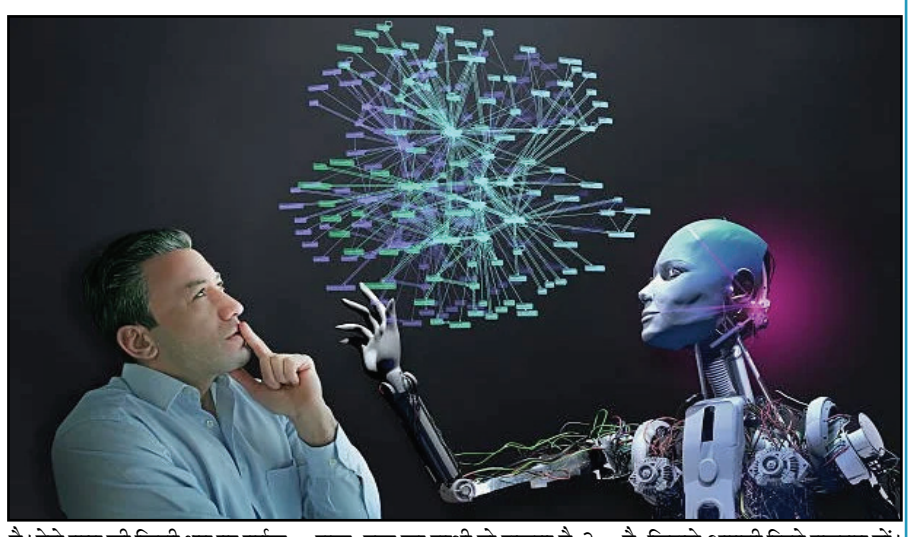

बढ़ता बाजारीकरण हम सबको धीरे-धीरे वस्तु में तब्दील कर रहा। साथ ही बदलते दौर में शहरीकरण हमें आहिस्ता-आहिस्ता मशीन बनाता जा रहा है, जिसमें हम अपनी सहजता खोते जा रहे हैं। अब तमीज के नाम पर अत्यधिक नाप-तोल कर बोलना, दूसरों से अलग दिखने की चाह रखना और व्यक्ति-व्यक्ति के बीच की दूरी बनाना ही प्रगति का परिचायक बनता जा रहा है। मगर इस सबमें हम, हमारा अपना होना कितना खोते जा रहे हैं, इसका हमें भान भी नहीं है । अब सोशल मीडिया पर हमारा आधे से ज्यादा समय मित्रों को बधाइयां देने में रहा है, लेकिन उन्हीं लोगों के बीच संवाद गायब है।

क्या हम याद कर सकते हैं कि हम खुलकर कब हंसे थे? अब हम हंसना भूलते जा रहे हैं। कई बार देखने में आता है कि लोग इसलिए किसी के दुख में शामिल होते हैं कि औपचारिकता निभानी है। शामिल नहीं हुए तो लोग क्या कहेंगे? इसलिए दुख के समय भी बहुत से लोग चुपचाप बैठे होते हैं, लेकिन उनकी आंखे और कान कुछ और ही ढूंढ़ रहे होते हैं। इस औपचारिकता में शब्द अपनी गहराई खो रहे हैं। किसी के सुख और दुख में शामिल होना उसे अंदर तक महसूस करना है । इसलिए सोशल मीडिया पर इतने मित्र होने के बावजूद हम कई बार इतनी रिक्तता महसूस करते हैं कि हमें अपने आसपास एक दोस्त नहीं दिखाई देता, जिससे हम मन की बात साझा कर सकें। कितनी ही बार लगता है कि आत्महत्या करनेवाला व्यक्ति अगर अपने मन की बात कह पाता तो शायद ऐसा नहीं होता ।हम हर दिन देखते हैं कि विभिन्न आयोजनों में मंचों पर या ढोल आदि पर नृत्य बेहद औपचारिक दिखाई देते हैं । उनमें वह तड़प दिखाई नहीं देती है। जो नृत्य हमारी आत्मा से होता हुआ शरीर से फूटकर बाहर आता है, वैसा नृत्य कितना स्वाभाविक होता है। ऐसे नृत्य की किसी धुन पर नर्तक का शरीर ही नहीं, रोम-रोम नृत्य करने लगता है। अब समूहों में होने वाले स्वाभाविक लोकनृत्य अपनी समृद्ध परंपरा खोते जा रहे हैं। एक जैसे बेजान नृत्यों की औपचारिकता वह आनंद नहीं देती ।आज सबसे ज्यादा समय हमारा स्मार्टफोन ले रहा है। एक ही कमरे में बैठे उस परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने फोन के स्क्रीन में गुम होते हैं। बच्चों को भी बड़ों को देखकर फोन की ऐसी लत लगने लगी है कि कई बार माताओं को छोटे बच्चों को खाना खिलाते समय भी सेलफोन हाथ में पकड़ाना पड़ता है। बहुत से परिवारों और परिजनों के बीच में महज औपचारिक बातचीत ही हो पाती है, जिससे उनके बीच एक दूसरे को न समझ पाना, कई प्रकार की भ्रांतियों का जन्म लेना, अविश्वास और दूरियां बढ़ते जाना जैसी स्थितियां बन रही हैं, जिनका सीधा रिश्तों पर असर पड़ता है।आज बाजार इस कदर हावी है कि हम अपने आपको हर तरह से आत्मनिर्भर मानने लगे हैं और यह अब हमारे व्यवहारों से झलकने लगा है कि मुझे किसी की जरूरत नहीं। इससे जीवन मूल्यों का भी ह्रास होने लगा है। भौतिक रूप से बने क्लोन पर तो रोक लगने की बातें भी हुई हैं, लेकिन रोबोट में भावनाएं डालने की बात अब की जा रही है। मगर क्या यह रोबोट हमारे सुख, दुख का साथी हो सकता है ? आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का शोर जोरों पर है, लेकिन क्या वह कल्पना की उड़ान और उसके भाव पकड़ सकता है ?बाजार चमक रहे हैं, प्रचार हमें अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। अब त्योहारों का मतलब मिलना - तुलना कम और दिखना - दिखाना होता जा रहा है, जिसमें 'उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे ' की बू आती है। हम वस्तुवादी होते जा रहे हैं। कई मर्तबा हमें त्योहारों पर कपड़ों की जरूरत नहीं होती, तब भी हम खरीदारी कर रहे हैं, क्योंकि बाजार में नए चलन के कपड़े आ रहे हैं। त्योहारों पर मोबाइल या गाड़ी बदलना एक फैशन बनता जा रहा है। हम वस्तुओं में खुशियों को ढूंढ़ रहे हैं। हमारे पास मोबाइल नहीं है या कोई वाहन नहीं है तो इसे लेने का एक तर्क हो सकता है, लेकिन क्या हर बार नया ब्रांड लेना अनिवार्य है ? 'इस्तेमाल करो और फेंको' की संस्कृति फल-फूल रही है। ये चीजों का फेंकना ही नहीं है, बल्कि रिश्तों का भी अपने जीवन से निकालना है। हम जैसे चीजों से व्यवहार करते हैं, वह हमारे व्यवहार करने के तरीके का हिस्सा बनता जाता है और फिर वह मानवीय व्यवहारों से भी अछूता नहीं रहता है ।तकनीक एक सुविधा है, समाधान नहीं है। हमें सहयोग और ज्ञान साझा करने वाली संस्कृति को बचाए रखने की जरूरत है, जिससे आपसी रिश्ते मजबूत हों। जीवन में मुश्किलें हर एक के साथ अलग-अलग तरह की हो सकती हैं, लेकिन हम कैसे सहजता से उनका सामना करते हैं, यही जीवन जीने की कला है। यह कला हम सबके अंदर है, उसे बचाए रखने की जरूरत है। उसकी चमक को धूप और अंधड़ों से बचाए रखना है ।आज कैलकुलेटर मनुष्य से अधिक सटीक तरीके और तेजी से गणना कर - सकता है, लेकिन वह उपज मानव की ही है। मानव मस्तिष्क स्वाभाविक रूप से अवलोकन, सीखने और खोज के द्वारा विकसित हुआ है। मशीनों में कोई भावनात्मकता नहीं है। भावनाएं मानव मस्तिष्क को विकसित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाती हैं। मशीन वही कर सकती है, जिसके लिए उसे बनाया गया है। मशीन नया नहीं रच सकती, लेकिन मनुष्य नया रच सकता है। आज मशीनीकरण के चलते नया रचना कम होता जा रहा है। हमें सहयोग और ज्ञान साझा करने वाली ऐसी संस्कृति बनाने की जरूरत है, जिसमें रिश्ते मजबूत हों, उनमें स्नेह बचा रहे । इंसान सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि अपने दिल से भी नियंत्रित होता है । मानव मस्तिष्क और हृदय निकटता से जुड़ा हुआ होता है। ये दोनों मिलकर उसे एक भावनात्मक रूप से संपूर्ण इंसान बनाते हैं, जिसका कोई तोड़ नहीं ।

वैश्विक परिदृश्य : विश्व युद्ध की काली परछाइयां

संजीव ठाकुर

भारत ने आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध पहलगाम आतंकी हमले में 26 भारतीय निर्दोष नागरिकों की हत्या के विरोध में ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे और पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया है। भारत ने पाकिस्तान पर संयमित, अनुशासित हमला कर आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया है वहां किसी नागरिक अथवा सैनिक अड्डों पर बमबारी नहीं की और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को कुछ समय के लिए पाकिस्तान के अनुनय विनय पर सिंधु जल समझौते तथा आतंकवादियों को वापस भारत भेजनें की शर्त पर चर्चा एवं शांति स्थापित करने के लिए स्थगित भी कर दिया है वैश्विक परिदृश्यः-ट्रंप के सत्ता में आने और युद्ध विराम की घोषणा और ट्रॅम्प पुतिन की गहन चर्चा,जेलेन्सकी को शांति की समझाइश के बावजूद वर्तमान युद्ध के परिदृश्य में और तेजी आई है,युद्ध के विराम की संभावनाएं धूमिल ही हुई है। भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहाद्र का सर्वकालिक समर्थक रहा है।रूस यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी किए हैं ,यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेन्सकी अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े है । ट्रंप की आधी अधूरी कोशिशें के बाद भी पुतिन-जेलेन्सकी युद्ध रोकने के लिए तैयार नहीं है ताजा स्थितियों के अनुसार यूक्रेन ने रूस के हवाई बेस कैंप के ऊपर हमला कर करोड़ों के फाइटर विमान को तबाह कर दिया है। यह रूस के ही निवासी यूक्रेन के आत्मघाती हमदर्दों द्वारा किया गया है। अब रूस निश्चित तौर पर अपनी अस्मिता अपनी इज्जत बचाने के लिए यूक्रेन पर परमाणु हमला भी कर सकता है जिसके परिणाम स्वरूप पूरे विश्व में विश्व युद्ध की परछाइयां दिखने लगी हैं। अब इजराइल हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है।

दूसरी तरफ इसराइल ने हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है।

इजरायल की बमबारी से घायल हुए पिलिस्तिनी नागरिकों के लिए 38 टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं भारत ने तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध अरब देशों के साथ-साथ यूरोप,अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस और नाटो देशों से भी मधुर हैं इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया ,120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता और भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत को आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। भारतवर्ष अवार्चीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है भारत ने पाकिस्तान और चीन पर कभी अपनी तरफ से हमला नहीं किया पर उसे पर आक्रमण करने पर उसने कभी किसी को छोड़ भी नहीं है। पुरातन काल से ही राजा, महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्त्व नहीं दिया तथा विस्तार वादी नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो फल स्वरूप राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया थो पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया

महाराष्ट्र में कब दोनों भाई आएंगे एक साथ? राज ठाकरे से हाथ मिलाने पर उद्धव ने कर दिया बड़ा इशारा

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले ठाकरे भाईयों के एक साथ आने की अटकलों के बीच शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे ने बड़ा बयान दिया है। शुक्रवार को मातोश्री में उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे के साथ जाने के सवाल पर बहुत कुछ साफ कर दिया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के एक होने की अटकलें लंबे समय से लग रही हैं। शुक्रवार को मातोश्री में पहली बार उद्धव ठाकरे से सीधा सवाल हुआ तो उन्होंने भी मुस्कराते हुए कहा कि हम आपको सीधी खबर देंगे। महाराष्ट्र में लंबे समय से अटकलें हैं कि मुंबई बीएमसी चुनावों से पहले ठाकरे परिवार एकजुट हो सकता है। ऐसे में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और शिवसेना (यूबीटी) दोनों का गठबंधन हो सकता है। मातोश्री में प्रेस कांफ्रेंस में पहली बार उद्धव ठाकरे दो भाईयों के एक होने के मुद्दे पर कैमरे पर बोले। उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के मन में जो है, वही होगा। शिवसैनिकों के मन में कोई भ्रम नहीं है और मनसे के सैनिकों में भी कोई भ्रम नहीं है। हम आपको सीधी खबर देंगे। राज ठाकरे ने महेश मांजरेकर के पॉडकास्ट में कहा था कि उनके मतभेद इतने बड़े नहीं है। वे महाराष्ट्र के अच्छे के लिए इन्हें भुला सकते हैं। इसके बाद मनसे और शिवसेना के एक होने की अटकलें लग रही है। मुंबई में दोनों भाईयों के साथ आने का एक पोस्टर भी लग गया था।दोनों के पास हैं एक दूसरे के नंबरउद्धव ठाकरे ने यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब एक दिन पहले ही राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने कहा कि गठबंधन की बात मीडिया में नहीं होती है।

लाल सलाम का खात्मा तय, महाराष्ट्र में 12 नक्सलियों का सरेंडर, कवंडे गांव पहुंचने वाले फडणवीस बने पहले सीएम

नक्सलवाद के खिलाफ देशव्यापी मुहिम के बीच शुक्रवार को महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस गढ़चिरौली के दौरे पर पहुंचे। फडणवीस ने महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ की सीमा पर नक्सल प्रभावित कंवडे गांव का दौरा किया। इस मौके पर फडणवीस ने लास्ट पोस्ट का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से जमीन पर बैठकर बात की।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नागपुर/गढ़चिरौलीः महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित गडचिरोली जिले में कवंडे गांव में 12 कुख्यात नक्सलियों ने अत्याधुनिक हथियारों के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थित में आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों पर 1 करोड़ से ज्यादा का इनामी राशि थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले को हमने भारत के संविधान की एक प्रति भेंट दी। पुनर्वास में लॉयड जैसे उद्योगों ने बहुत बड़ा योगदान दिया है। इस जिले को रोजगार युक्त बनाया जाना चाहिए और भारत की स्टील सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले डेढ़ साल में 28 माओवादी मारे गए हैं, 31 माओवादी गिरफ्तार किए गए, जबकि 44 ने आत्मसमर्पण किया है। यह एक नया रिकॉर्ड है। जिन लोगों पर भारी इनाम था, उनमें से कई अब माओवाद छोड़ रहे हैं और सामान्य जीवन में लौट रहे हैं।नक्सलवाद खत्म होने की कगार परसी-60 जवानों के सत्कार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि उन्होंने कवंडे आउटपोस्ट का दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत की। पुलिस बल ने महज 24 घंटे में कवंडे पोस्ट का निर्माण किया। यह महज एक पुलिस स्टेशन नहीं है, बल्कि शासन-प्रशासन को लोगों तक पहुंचाने की पहल है। हमारे जवानों ने कवंडे में बहुत कठिन ऑपरेशन किए। उन्होंने सी-60 जवानों को सम्मानित किया और उन्हें अत्याधुनिक एके-103 हथियार और पिस्तौल, बुलेटप्रूफ जैकेट भेंट किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी लड़ाई अब अपने अंतिम चरण में है। हमारा लक्ष्य मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करना है। महाराष्ट्र में 4 साल से नक्सलियों की भर्ती पूरी तरह बंद है। लेकिन दूसरे राज्यों से होती थी। परंतु केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बहुत सख्त कदम उठाए और अब नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है।

पुल का ड्रोन से निरीक्षण

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर बने पुल का ड्रोन से मुख्यमंत्री फडणवीस ने निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह पुल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों को मुख्यधारा से जोड़ने और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण साबित होगा। राज्य राजमार्ग 380 पर 100 मीटर चौड़े कोरमा नाले पर वर्तमान में 120 मीटर लंबा पुल बनाया जा रहा है, जिससे महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों के बीच सीधा संपर्क हो सकेगा।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे द्वारा उधना और खुर्दा रोड के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 09059/09060 उधना-खुर्दा रोड (साप्ताहिक) स्पेशल के फेरे को विस्तारित किया गया है। इस ट्रेन की संरचना, समय, ठहराव और मार्ग में कोई बदलाव नहीं किया गया है।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः ट्रेन संख्या 09059 उधना-खुर्दा रोड स्पेशल को 9 जुलाई, 2025 से 30 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09060 खुर्दा रोड-उधना स्पेशल को 11 जुलाई से 01 अगस्त, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09059 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 07.06.2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे पर रविवार 8 जून, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक

मुंबई, पश्चिम रेलवे का चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच ब्लॉक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा रविवार, 08 जून 2025 को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन स्लो लाइनों पर 10:35 बजे से 15:35 बजे तक पांच घंटे का जंबो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच स्लो लाइन की सभी ट्रेनों को फास्ट लाइनों पर चलाया जाएगा।ब्लॉक के कारण कुछ अप एवं डाउन लोकल ट्रेनें निरस्त रहेंगी और चर्चगेट की ओर जाने वाली कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दादर में शार्ट टर्मिनेट/रिवर्स किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के कार्यालय में उपलब्ध है।

डॉक्टरी की पढ़ाई के बाद बने थे सांसद...बेटे के चारों देशों का समर्थन लेकर लौटने पर शिंदे ने की तगड़ी तारीफ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए बदला लिया था। इसके बाद घुटनों पर आए पाकिस्तान ने गलत नैरेटिव को फैलाना शुरू कर दिया था। भारत ने दुश्मन की चाल को बेनकाब करने के लिए सांसदों की दल विदेश के दौरे पर भेजा था। ऐसी सांसदों की एक टीम क अगुवाई करने बाद मुंबई लौटे कल्याण से शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे को पिता एकनाथ शिंदे ने गले लगा लिया। शिंदे ने इस मौके पर गर्मजोशी से बेटे का स्वागत किया है। महायुति सरकार में डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी संभाल रहे एकनाथ शिंदे ने किहा कि श्रीकांत ने अच्छे तरीके से दुनिया के देशों में 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधितत्व किया। शिंदे ने इस मौके पर थोड़े भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि श्रीकांत ने अपनी भूमिका का अच्छे ने निभाया।

सोलापुर मंडल ने हरित पहलों की श्रृंखला के साथ विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मनाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने के वैश्विक प्रयासों के साथ मिलकर, 22 मई से 5 जून 2025 तक सोलापुर, कुडूर्वाडी, कलबुरगि, वाडी, पंढरपुर और लातूर सहित विभिन्न स्टेशनों पर प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें विषय पर प्रभावशाली और समावेशी गतिविधियों के एक पखवाड़े लंबे अभियान के साथ विश्व पर्यावरण दिवस 2025 मनाया। इस समारोह का उद्घाटन 22 मई को एक भव्य वॉकथॉन के साथ हुआ, जिसे डीआरएम डॉ. सुजीत मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें पर्यावरणीय स्थिरता के विषय को बढ़ावा दिया गया। जागरूकता फैलाने के लिए रेल अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय सामाजिक संगठनों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने रैली में भाग लिया।

मुख्य आकर्षण में शामिल थेः

वृक्षारोपण अभियानः रेल वन विहार, डीआरएम कार्यालय, सोलापुर रेल अस्पताल और विभिन्न स्टेशनों जैसे स्थानों पर 500 से अधिक पौधे लगाए गए। जयसुते फाउंडेशन, संत निरंकारी मंडल और झाड़े लावा झाड़े जगवा जैसे पर्यावरण समूहों की सक्रिय भागीदारी ने मिशन को सामुदायिक शक्ति प्रदान की।

जागरूकता अभियान और सेमिनारः विषयों में प्लास्टिक प्रदूषण से लेकर डिजिटल टिकटिंग तक शामिल थे। प्लास्टिक का अंत पर एक प्रमुख सेमिनार में वरिष्ठ अधिकारियों और 100 से अधिक रेल कर्मचारियों ने भाग लिया, जिसमें टिकाऊ विकल्प के रूप में कपास के बैग वितरित किए गए।

रचनात्मक सार्वजनिक जुड़ावः

सोलापुर स्टेशन पर हरित मूल्यों को बढ़ावा देने वाला एक सेल्फी पॉइंट स्थापित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता और क्विज इवेंट ने छात्रों और कर्मचारियों को शामिल किया, जिसमें विजेताओं को उपहार और प्रशंसा मिली।

सोलापुर स्टेशन पर पेड़ बचाओ, पृथ्वी बचाओ पर एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक ने यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्वच्छता और डिजिटल पहलः

सोलापुर, कुडूर्वाडी, कलबुरगि, वाडी, पंढरपुर और लातूर स्टेशनों पर कई स्वच्छता अभियान चलाए गए।

कागज के उपयोग को कम करने के लिए यूटीएस ऐप और क्यूआर कोड सिस्टम के माध्यम से डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा दिया गया।

सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंधः बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान और स्टेशन घोषणाओं ने प्लास्टिक कचरे को खत्म करने के लिए रेलवे की प्रतिबद्धता को मजबूत किया। 5 जून को डीआरएम कार्यालय में आयोजित समापन समारोह में छात्रों, कर्मचारियों और गैर सरकारी संगठनों के योगदान को मान्यता देने के लिए प्रमाण पत्र और ट्रॉफी वितरण के साथ-साथ मंडल के प्रयासों पर एक प्रस्तुति शामिल थी। कुल 17 स्टाफ सदस्यों को प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया, 10 छात्रों को सर्वश्रेष्ठ चित्रों के लिए सम्मानित किया गया, और विभिन्न हरित पहलों में उत्कृष्टता के लिए पांच ट्रॉफी प्रदान की गईं। कार्यक्रमों की श्रृंखला का समन्वयन एल्ललट (पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन) विभाग द्वारा मंडल रेल प्रबंधक (DRM/ सोलापुर) डॉ सुजीत मिश्रा और अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (ADRM/सोलापुर) श्री अंशुमाली कुमार के गतिशील नेतृत्व में किया गया। सोलापुर मंडल का विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का उत्साही और समावेशी पालन सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मेट्रो लाइन-9 के लिए गर्डरों की लॉन्चिंग के कारण मीरा रोड और भायंदर स्टेशनों के बीच सभी लाइनों पर मेजर ब्लॉक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, 07/08 जून, 2025 (शनिवार/रविवार) को 1.45 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा, जबकि

08/09 जून, 2025 (रविवार/सोमवार) और 09/10 जून, 2025 (सोमवार/मंगलवार)

को 1.15 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा

मेट्रो लाइन 9 के लिए गर्डर लॉन्च करने के काम के सिलसिले में पश्चिम रेलवे के मीरा रोड और भायंदर स्टेशनों के बीच सभी लाइनों पर मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। 07/08 जून, 2025 (शनिवार/रविवार) की मध्यरात्रि को 01:30 बजे से 3:15 बजे तक 1.45 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। इसी तरह, 08/09 जून, 2025 (रविवार/सोमवार) और 09/10 जून, 2025 (सोमवार/मंगलवार) की मध्यरात्रि को 01:45 बजे से 3:00 बजे तक 1.15 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्य के दौरान कुछ उपनगरीय सेवाएं प्रभावित होंगी तथा कुछ निरस्त रहेंगी। इनका विवरण निम्नानुसार हैः -

07/08 जून, 2025 (शनिवार/रविवार) को प्रभावित होने वाली उपनगरीय सेवाएँ

चर्चगेट से विरार के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 23:58 बजे प्रस्थान करेगी।

चर्चगेट से भायंदर के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 23:38 बजे प्रस्थान करेगी।

विरार से चर्चगेट के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 00:05 बजे प्रस्थान करेगी।

08/09 जून, 2025 (रविवार/सोमवार) को प्रभावित होने वाली उपनगरीय सेवाएँ

चर्चगेट से विरार के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 00:20 बजे प्रस्थान करेगी।

विरार से चर्चगेट के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 00:05 बजे प्रस्थान करेगी।

09/10 जून, 2025 (सोमवार/मंगलवार) को प्रभावित होने वाली उपनगरीय सेवाएँ

चर्चगेट से विरार के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 00:20 बजे प्रस्थान करेगी।

विरार से चर्चगेट के लिए आखिरी लोकल ट्रेन 00:05 बजे प्रस्थान करेगी।

पहले डराया, फिर नकली जज बन की वीडियो कॉल... 73 साल की बुजुर्ग महिला के खाते से साइबर ठगों ने उड़ाए 2.89 करोड़

मुंबई में एक 73 वर्षीय महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई, जहाँ धोखेबाजों ने सरकारी अधिकारी बनकर उनसे 2.89 करोड़ रुपये ठग लिए। मुंबई साइबर पुलिस की तत्परता से 1.29 करोड़ रुपये वापस मिल गए हैं। आरोपियों ने खुद को अधिकारी, पुलिसकर्मी और न्यायाधीश बताकर महिला को डराया और खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः विले पार्ले इलाके की रहने वाली 73 वर्षीय महिला से साइबर ठगों ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर 2.89 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। हालांकि, मुंबई साइबर पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते महिला को 1.29 करोड़ रुपये वापस मिल गए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार से बुधवार के बीच यह ठगी की गई। आरोपी खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया का अधिकारी, पुलिसकर्मी और न्यायाधीश बताकर महिला को डराते रहे। धीरे-धीरे बड़ी रकम उनके खातों में ट्रांसफर करवा ली। महिला को ऐसे जाल में फंसायाअधिकारी के मुताबिक, सबसे पहले एक व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल पर खुद को ळफअक अधिकारी बताते हुए महिला को कहा कि उनके बैंक अकाउंट से संदिग्ध लेनदेन हो रहा है। इसके बाद एक अन्य आरोपी ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए महिला को डराया कि उनका नाम एक ऐसे कारोबारी से जुड़ा है, जो धोखाधड़ी के मामले में जांच के दायरे में है। उसने कहा कि अगर महिला सहयोग नहीं करेंगी तो उन्हें डिजिटल गिरफ्तारी का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद, आरोपियों ने वीडियो कॉल पर एक नकली जज को महिला से बात कराई और कहा कि वह उन्हें गिरफ्तारी से बचाने में मदद करेगा। इस तरह भयभीत महिला को तीन दिनों में कुल 2.89 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करने पर मजबूर किया गया।करोड़ों गंवाने के बाद हुआ शकबाद में महिला को शक हुआ कि वह ठगी का शिकार हो चुकी हैं, जिसके बाद उन्होंने 1930 साइबर हेल्पलाइन पर संपर्क किया। हेल्पलाइन की त्वरित कार्रवाई के चलते मामला एनसीपीआ पर दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि साइबर हेल्पलाइन सेल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 1.29 करोड़ रुपये की राशि ट्रेस कर उसे फ्रीज करा लिया।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में छात्र पर हमला

जेवर, ग्रेटर नोएडा के गलगोटिया यूनिवर्सिटी में बी फार्मा के एक छात्र पर साथी छात्रों ने हमला कर दिया। घटना दनकौर कोतवाली क्षेत्र की है। पीड़ित छात्र स्पर्श गोरखपुर का रहने वाला है। यूनिवर्सिटी से पढ़ाई के बाद स्पर्श अपने फ्लैट की तरफ जा रहा था। इसी दौरान यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों ने उस पर लोहे के पंच और लात-घूंसों से हमला कर दिया। हमले में स्पर्श के सिर में चोट आई।

मध्य रेल

नागपुर मंडल

ई-टेंडर नोटिस

ई-खुली निविदा संख्या : मरेप्र कार्य नागपुर-44-2025-01 दिनांक 31/05/2025

कार्य का नाम : नागपुर डिवीजन में सीनियर डीईएन (सेंट्रल) नागपुर के अधिकार क्षेत्र में एडीईएन काटोल उप-विभाग के तहत एलएचएस से वर्षा जल को बाहर निकालने के लिए पंपों को किराए पर लेना।, **अनुमानित लागत** : रु. 1808302.67/-, **बयाना राशि** : रु. 36200.00/- निविदा बंद होने कि तिथि एवं समय 23/06/2025 को 15:00 बजे। विस्तृत जानकारी www.ireps.gov.in पर देखे।

SUN 70 कृते मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम रेलवे

संचालन और रखरखाव कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है. **ई-निविदा सूचना क्रमांक : बीसीटी/25-26/80, दिनांक : 02.06.2025. कार्य और स्थान : मुंबई सेंट्रल** : 12 माह के लिए डीईएन (इस्टेट/दक्षिण) मुंबई सेंट्रल के क्षेत्राधिकार अंतर्गत डीआरएम कार्यालय, स्कायस्क्रैपर, जे.आर. अस्पताल, जीएलओ बिल्डिंग, चर्चगेट स्टेशन भवन, पी-ब्लॉक (बधवार पार्क) तथा डी-ब्लॉक (पाली हिल) में अधिष्ठापित अग्निशमन प्रणाली का संचालन और रखरखाव. (शेष मात्रा). **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 11513735.21. **ईएमडी** : रु. 207600/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 01.07.2025 को 15:00 बजे तक. **निविदा खोलने की तिथि एवं समय** : 01.07.2025 को 15:30 बजे. विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. मैनुअल प्रस्तावों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा. 0223

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

निर्माण कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्रमांक : बीसीटी/25-26/79, दिनांक : 02.06.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य और स्थान** : उकाई सोनगढ़ - जलगांव अनुभाग : दोंडाइचा : गुड्स लाइन संख्या 6 पर रेल स्तर प्लेटफॉर्म (700 मीटर × 10 मीटर) का निर्माण कार्य, गुड्स लाइन-6 के रेल स्तर प्लेटफॉर्म पर हाई कवर शेड की व्यवस्था, गुड्स लाइन-5 के रेल स्तर प्लेटफॉर्म पर कवर शेड का विस्तार, पहुँच मार्ग का निर्माण, एफओबी का विस्तार, ब्रिज संख्या 238 एवं 239 पर ड्रेनेज कार्य और अन्य सहायक सुविधाओं का विस्तार. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 25,48,02,714.69. **ईएमडी** : रु. 14,24,000/-. **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय** : 01.07.2025 को 15:00 बजे तक. **निविदा खोलने की तिथि एवं समय** : 01.07.2025 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें। **मैन्युअल प्रस्तावों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा.** 0224

Like us on : facebook.com/WesternRly

छत्रपती शिवाजी महाराज हेरिटेज ट्रेन टूरला प्रचंड प्रतिसाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

इंडियन रेल्वे केटरिंग अँड टुरिझम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (कफउळऊ) ही भारत सरकारच्या रेल्वे मंत्रालयाच्या अंतर्गत 'नवरत्न' सूचीबद्ध कंपनी आहे. ती ऑनलाइन रेल्वे तिकीट बुकिंग, केटरिंग, पर्यटन, रेल नीर आणि हॉस्पिटॅलिटी सेवांसह विविध सेवा देते.

आयआरसीटीसीचे उद्दिष्ट प्रत्येक प्रवाशासाठी संपूर्ण भारतभर प्रवास अधिक सोयीस्कर, आनंददायी आणि परवडणारा बनवणे आहे.

आयआरसीटीसीने छत्रपती शिवाजी महाराज हेरिटेज ट्रेन टूर सुरू केला आहे जो ९ जून २०२५ रोजी मुंबईतील छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस येथून निघेल

एकूण 710 प्रवासी या टूरचा लाभ घेतील. 480 प्रवाशांनी इकॉनॉमी (स्लीपर) मध्ये, १९० प्रवाशांनी कम्फर्ट (३एसी) मध्ये आणि ४० प्रवाशांनी सुपीरियर (२एसी) मध्ये बुकिंग केले आहे.

छत्रपती शिवाजी महाराज सर्किट हा पाच दिवसांच्या प्रवासात छत्रपती शिवाजी महाराजांचा गौरवशाली इतिहास आणि भव्य वारसा दाखवण्यासाठी खास क्युरेट केलेला टूर आहे. हा टूर महाराष्ट्र सरकार, भारतीय रेल्वे आणि आयआरसीटीसी यांच्या संयुक्त सहकार्याने आयोजित केला आहे.

या ट्रेनमध्ये रायगड किल्ला, शिवनेरी किल्ला, प्रतापगड किल्ला, पन्हाळा किल्ला, लाल महाल, कसबा गणपती आणि शिवसृष्टी यासारख्या महत्त्वाच्या स्थळांचा समावेश आहे, जे सर्व महान छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या जीवनातील महत्त्वाचे पैलू दर्शवितात. सोयी आणि सुलभतेसह, ही ट्रेन प्रवाशांना महाराष्ट्राच्या वैभवशाली भूतकाळाचा आणि समृद्ध सांस्कृतिक वारशाचा शोध घेण्याचा एक अखंड अनुभव प्रदान करते.

नावाप्रमाणेच, 06 दिवसांचा हा प्रवास कार्यक्रम पहिल्या दिवशी छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पासून कोकण रेल्वे नेटवर्कवरील माणगाव रेल्वे स्टेशनसाठी सुरू होईल, जो रायगड किल्ल्यासाठी सर्वात जवळचा रेल्वे दुवा आहे. पहिले गंतव्यस्थान रायगड आहे, जे छत्रपती शिवाजी महाराजांचा राज्याभिषेक किंवा राज्याभिषेक झालेल्या डोंगरी किल्ल्यासाठी ओळखले जाते आणि नंतर तेथून त्यांनी राज्य केले तेथून त्यांची राजधानी बनले. प्रेक्षणीय स्थळे पाहिल्यानंतर, पर्यटक पुन्हा ट्रेनमध्ये परततील आणि पुढील गंतव्यस्थान पुणे येथे जातील जिथे पर्यटक जेवण करतील आणि त्यानंतर पुण्यातील हॉटेलमध्ये रात्रीचा मुक्काम करतील.दुृयाच्या दुसृया दिवशी, पर्यटक पुण्यातील लाल महाल, कसबा गणपती आणि शिवसृष्टी ही प्रमुख ठिकाणे पाहणार आहेत. नावाप्रमाणेच लाल महाल हा छत्रपती शिवाजी महाराजांचे वडील शहाजी भोसले यांनी ई.स. 1630 मध्ये त्यांच्या पत्नी जिजाबाई आणि मुलासाठी बांधलेला लाल रंगाचा राजवाडा आहे. सध्याची ही वास्तू 1984 मध्ये लाल महाल असलेल्या जमिनीच्या एका भागात पुन्हा बांधण्यात आली आणि त्यात छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या जीवनातील महत्त्वाच्या घटनांचे वर्णन करणारे तैलचित्रांचा एक विशाल संग्रह आहे. पुण्याचे प्रमुख दैवत असलेल्या कसबा गणपतीचे मंदिर ई.स 1893 चे आहे आणि ते छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या आई जिजाबाई यांनी बांधले असल्याचे मानले जाते. तेव्हापासून, हे शहर गणेशाचे शहर म्हणून ओळखले जाते. नंतर, पर्यटक शिवसृष्टीला भेट देतील - छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या आख्यायिकेचे प्रदर्शन करणारे सर्वात मोठे ऐतिहासिक थीम पार्क. पर्यटक मराठा शासकाची जीवनकथा 3ऊ मध्ये पाहतील आणि इतर संवादात्मक सत्रांचा आनंद घेतील.पुण्यात रात्रीच्या विश्रांतीनंतर तिसृया दिवशी पाहुणे पुणे शहरापासून 95 किलोमीटर अंतरावर असलेल्या शिवनेरीकडे प्रयाण करतील. शिवनेरी किल्ला जुन्नर शहराच्या कडेला टेकडीवर वसलेला आहे. हे छत्रपती शिवाजी महाराजांचे जन्मस्थान आणि मराठा अभिमानाचे आणि मुस्लिम राजवटीच्या प्रतिकाराचे प्रतीक आहे. दुपारच्या जेवणानंतर, पर्यटक रात्रीच्या मुक्कामासाठी पुण्याला परतण्यापूर्वी 12 ज्योतिर्लिंगांपैकी एक असलेल्या भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिराला भेट देतील.प्रवासाच्या 4थ्या दिवशी, पर्यटक सातायाच्या पुढील प्रवासासाठी ट्रेनमध्ये चढतील. छत्रपती शिवाजी महाराज आणि विजापूर सल्तनतचा सेनापती अफझल खान यांच्यात ई.स 1659 मध्ये झालेल्या प्रतापगडाच्या लढाईमुळे प्रतापगड किल्ला हा या स्थानकापासून कव्हर केला जाणारा प्रमुख स्थळ आहे. या लढाईने मराठा साम्राज्याच्या स्थापनेची मुहूर्तमेढ रोवली होती. भेटीनंतर, पर्यटक योग्य ठिकाणी दुपारचे जेवण घेतील आणि या दौ?याच्या शेवटच्या गंतव्यस्थान कोल्हापूरला जाताना ट्रेनसाठी परत जातील.

जंगलों के बीच 17 ब्रिज, 5 टनल, 24 जिलों से कनेक्शन हो गया फास्ट... वाहनों के लिए खुला समृद्धि महामार्ग

- समृद्धि महामार्ग का उद्घाटन, वाहनों के लिए खुला
- किसान अब सामान लेकर शाम तक मुंबई पहुंच सकेंगे
- हाइवे पर 17 ब्रिज और 5 टनल का निर्माण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः इगतपुरी से ठाणे तक बने समृद्धि महामार्ग के अंतिम फेज का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। इसे वाहनों के लिए खोल दिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने गुरुवार को इसका उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि समृद्धि महामार्ग राज्य में समृद्धि लाने का नया द्वार होगा। यह मार्ग राज्य के 24 जिलों को कनेक्ट करने का काम करता है। समृद्धि को जेएनपीटी से जोड़ने के साथ ही पालघर में बन रहे वाढवन पोर्ट से भी कनेक्ट किया जाएगा। दो पोर्ट से कनेक्ट होने से परिसर का तेजी से विकास संभव होगा। वहीं हाइवे के करीब गैस पाइप लाइन भी बिछाई गई है। इस वजह से हाइवे के करीब के उद्योग को आसानी से गैस उपलब्ध होगी। हाइवे पर सौर ऊर्जा से 200 मेगा वॉट की बिजली के उत्पादन को 500 मेगा वॉट करने का लक्ष्य रखा गया है।ज्ञात हो कि अब यात्री रेल मार्ग से भी कम समय में केवल 7 से 8 घंटे में समृद्धि महामार्ग से मुंबई से नागपुर तक पहुंच सकेंगे। पहले ट्रेन से पहुंचने में 12 घंटे और सड़क मार्ग से 14 से 15 घंटे लगते थे।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400 008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVTM25-16	19.06.2025 को 14.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**MSS-BCT-MMCTPrKiosk-47-24-1** (Misc-Static-Services - Promotional Kiosk)	3 वर्षों की अवधि हेतु चर्चगेट से विरार (29 स्टेशन्स) तक स्टेशनों/स्थानों पर प्रमोशनल कियोस्क/प्रॉडक्ट डिस्प्ले के जरिए वाणिज्य विज्ञापन के अनुबंध हेतु ई-नीलामी.	1096	19-06-25 14:30:00
2	**MSS-BCT-NVS-PrKiosk-50-25-1** (Misc-Static-Services Promotional Kiosk)	3 वर्षों की अवधि हेतु नवसारी स्टेशन (एनवीएस) स्टेशन पर प्रमोशनल कियोस्क/प्रॉडक्ट डिस्प्ले के जरिए वाणिज्य विज्ञापन के अनुबंद हेतु ई-नीलामी.	1096	19-06-25 14:40:00
3	**MSS-BCT-DDR-BCA-52-25-2** (Misc-Static-Services - Battery Operated Carts with Advertisement)	दादर (डीडीआर) स्टेशन पर बीओसी की बॉडी पर विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु अनुमति और संचालकों के साथ 02 (दो) बैटरी संचालित कार्ट्स (बीओसी) की आपूर्ति, संचालन और अनुरक्षण के कार्य हेतु ई-नीलामी.	1826	19-06-25 14:50:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-17	19.06.2025 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	**ADVT-BCT-NSP-OH-351-25-1** (Advertising - Out of Home)	07 वर्षों की अवधि हेतु 600 वर्गफीट आकार के कुल क्षेत्रफल के नालासोपारा में नये होर्डिंग स्ट्रक्चर्स (बुकिंग कार्यालय के कतार क्षेत्र से संलग्न उत्तर पूर्व परिसंचरण क्षेत्र में आकार 20'x10' के 03 होर्डिंग्स) के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	2557	19-06-25 15:30:00

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है. 0227

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

आरबीआई का रेपो दर में कटौती ठाणे रियल एस्टेट के लिए शुभ संकेत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे के रियल एस्टेट के लिए, आरबीआई की 50 बीपीएस रेपो दर में 6.0 से 5.5 प्रतिशत की कटौती, जो प्रभावी रूप से होम लोन दरों में कमी के रूप में परिवर्तित होती है, ठाणे के जीवंत रियल एस्टेट बाजार के लिए सकारात्मक है।यह बात क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के अध्यक्ष सचिन मीरानी ने कहा है।उन्होंने कहा है कि ठाणे के घर खरीदारों के लिए, यह होम लोन ब्याज दरों में पिछली कटौती का ही एक हिस्सा है, जिसके परिणामस्वरूप घर का स्वामित्व अधिक किफायती और सुलभ हो गया है। क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के सचिव फैयाज विरानी ने कहा है कि यह सकारात्मक प्रवृत्ति ठाणे के पहली बार घर खरीदने वालों और ठाणे में बड़े आकार के घरों में अपग्रेड करने की योजना बनाने वालों को प्रोत्साहित करेगी। ठाणे के रियल एस्टेट के लिए, इससे खरीदारों की भावना बेहतर होगी, जिससे मांग बढ़ेगी। पिछले कुछ महीनों में आरबीआई रेपो दरों में कटौती कर रहा है। इससे बाजार की धारणा में सुधार होगा और ठाणे में प्रॉपर्टी बाजार में और अधिक जीवंतता आएगी, सचिन मिरानी ने ऐसा अनुमान लगाया है।

अंबरनाथ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमिटी ने शुक्रवार को टीओडी मीटर के विरोध में निषेध आंदोलन निकाला

टीओडी मीटर जनता विरोधी है,इससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है- एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.अंबरनाथ शहर में एमएसईबी द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के घरों में बिना उनकी अनुमति लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त आरडीएसएस योजना के अंतर्गत टीओडी मीटर (टाइम ऑफ डे) अर्थात स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का अभियान चल रहा है। माना जा रहा है कि यह मीटर लगने से विद्युत बिलों में भारी बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है।गौतम अदाणी की कंपनी से बने हुए और सरकार द्वारा लगाए जा रहे इन मीटरों के विरोध में अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल के नेतृत्व में शुक्रवार, 06 जून को प्रातः 10.30 बजे अंबरनाथ पश्चिम स्थित एमएसईबी कार्यालय में जोरदार आंदोलन किया गया। सैंकड़ों कांग्रेसी कार्यकताओं ने गौतम अदाणी का फोटो हाथ में लेकर नारेबाजी कर इस टीओडी मीटर को लगाए जाने का विरोध किया। एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल के नेतृत्व में एमएसईबी कार्यालय में संबंधित अधिकारी को टीओडी मीटर के विरोध में एक पत्र भी सौंपा गया। पत्र में उल्लेख किया गया कि नागरिकों की अनुमति के बिना अंबरनाथ शहर में टीओडी मीटर नहीं लगाए जाने चाहिए। एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल ने आगे कहा कि यह मीटर गौतम अदाणी की कंपनी से बने हुए हैं और केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कृत है। दोनो की जुगलबंदी से आम जनता त्रस्त है और भयंकर आर्थिक बोझ और संकट का सामना कर रही है। इस निषेध आंदोलन में महाराष्ट्र प्रदेश महिला कांग्रेस क्षेत्रीय सचिव अनिता प्रजापति, पूर्व नगरसेवक विलास जोशी, अंबरनाथ शहर कांग्रेस प्रशासन या संगठन महासचिव रोहित कुमार प्रजापति, महासचिव नंदू देवड़े, सायरा पारा सैयद, गोपाल राय, राजेंद्र मिश्रा, शंकर गायकवाड़, अजिंक्य सावंत, अब्दुलगनी पीरजादे, पुष्पा पणिकर, रईस शेख, अन्ना भालेराव, शोभा बांगर, दीपक भोईर, बानो सैयद, दिलारा खान, सलीम खान, जगदीश तेलंगे और कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फास्ट ट्रैक

साइकिल से गांव पहुंचे एसडीएम

घास-झाड़ियां और टूटी नलों से बहता पानी देख नाराज, एक सप्ताह में सुधार का आदेश

जलालाबाद, एसडीएम दुर्गेश यादव ने अपनी टीम के साथ साइकिल से गांव गुरुगवां का दौरा किया। उनके साथ लेखपाल और राजस्व निरीक्षक भी साइकिल से पहुंचे। एसडीएम ने जल जीवन मिशन के तहत बनाई गई पानी की टंकी, पंचायत घर, सामुदायिक शौचालय और राशन की दुकान का निरीक्षण किया। सामुदायिक शौचालय की स्थिति देख उन्होंने नाराजगी जताई। शौचालय के चारों तरफ घास और झाड़ियां उगी हुई थीं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो साल से शौचालय की यही स्थिति बनी हुई है। गांव की सफाई व्यवस्था भी खराब मिली। सार्वजनिक स्थानों पर लगे स्टैंड पोस्ट में टोंटियां नहीं थीं, जिससे पानी सड़कों पर बह रहा था। एक गली के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। चक मार्ग पर अतिक्रमण की शिकायत मिलने पर एसडीएम ने राजस्व टीम को पैमाइश कर कब्जा हटाने का निर्देश दिया। एसडीएम ने बीडीओ को गांव की व्यवस्थाएं एक सप्ताह में सुधारने का आदेश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्रामीणों की शिकायतों का प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान लेखपाल कमलेश राजपूत, रजनीश कुमार, प्रेमराज, पवनेश, पवन और नायब तहसीलदार रोहित कटियार मौजूद रहे।

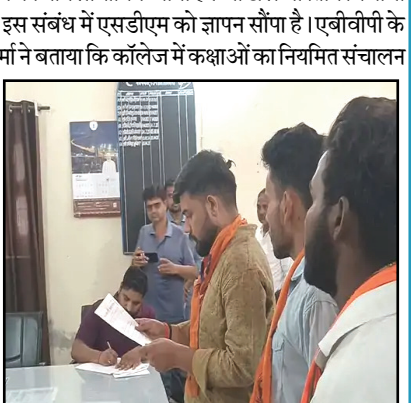

जिला परिषद ठाणे में उत्साह के साथ मनाया गया शिवराज्याभिषेक समारोह

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस आज जिला परिषद, ठाणे में बहुत ही उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायी माहौल में मनाया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक 6 जून, 1674 को रायगढ़ में हुआ था। सरकारी निदेर्शानुसार स्वराज्य, संप्रभुता और स्वाभिमान का प्रतीक बन चुके इस ऐतिहासिक आयोजन की याद में पूरे महाराष्ट्र में शिवस्वराज्य दिवस मनाया जाता है। जिला परिषद ठाणे के परिसर में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत परियोजना निदेशक छायादेवी शिसोदे द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और राजमाता और महाराज के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद सम्मान स्वरूप स्वराज्यगुड़ी स्थापित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान और राज्यगान गाया तथा छत्रपति शिवाजी महाराज की जय के नारे लगाकर क्षेत्र में उत्साहपूर्ण माहौल बनाया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन करते हुए परियोजना निदेशक छायादेवी शिसोदे ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्राप्त प्रेरणा ही हमारी ईमानदार और सतत कार्यशैली की मूल प्रेरणा है। हर कठिनाई को पार करते हुए निरंतर काम करते रहना ही सच्चा शिव स्वराज्य प्राप्त करने का साधन है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को शिव राज्याभिषेक दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तारे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी वैजनाथ बुराडकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे, कार्यकारी अभियंता (निर्माण विभाग) संदीप चव्हाण, ग्रामीण जलापूर्ति विभाग प्रमुख प्रकाश सासे, शिक्षण अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब राक्षे, शिक्षण अधिकारी (माध्यमिक) देवीदास महाजन, बाल विकास परियोजना अधिकारी धनश्री सालुंखे, पशुपालन विभाग प्रमुख (प्रभारी) डॉ. कीर्ति दोईजोडे सहित सभी विभाग प्रमुख, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए रवींद्र तारे एवं उनके समूह ने देशभक्ति गीत एवं पोवाड़ा प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अनिल सूर्यवंशी ने किया।

हल्की बारिश में पानी भरने से मानसून में दिवा के जलमग्न होने की आशंका - ज्योति पाटिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,हल्की बारिश के दौरान जल जमाव की घटना से दिवावासी स्तब्ध हैं। दिवा में नालों की उचित सफाई न होने से दिवावासी परेशान हैं। शिवसेना यूबीटी महिला शहर अध्यक्ष ज्योति पाटिल ने चिंता जताई है कि भारी बारिश के दौरान दिवा जलमग्न हो सकता है। शुक्रवार को हुई बारिश में दिवा में दिवा-अगासन की मुख्य सड़क फिर से जलमग्न हो गई। सड़क के पास की दुकानों में करीब एक फुट तक पानी जमा होने से दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिवा शहर में नालों की उचित सफाई न होने से जल निकासी में बाधा आ रही है। आधे दिन की बारिश के बाद दिवा में सड़कें जलमग्न हो रही हैं तो शिवसेना ठाकरे गुट की महिला शहर अध्यक्ष की ज्योति पाटिल ने आशंका जताई है कि आगामी मानसून में भारी बारिश के बाद दिवा शहर जलमग्न हो सकता है। इस संबंध में ज्योति पाटिल ने मनपा आयुक्त से एक बार फिर दिवा शहर में नाला सफाई की समीक्षा करने का अनुरोध किया है। ज्योति पाटिल ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया है कि दिवा शहर में प्राकृतिक नालों के अवरुद्ध होने के कारण पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पा रही है। उन्होंने मुख्य मार्ग दिवा अगासन पर भारी मात्रा में पानी जमा होने के कारण यातायात में बाधा उत्पन्न होने की ओर ध्यान आकर्षित किया है। ज्योति पाटिल ने कहा है कि मनपा को इस बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि आखिर पानी की निकासी में क्या बाधा आ रही है, क्योंकि ग्लोबल स्कूल और सिद्धिविनायक गेट के बीच दिवा अगासन मार्ग पर पानी जमा हो रहा है।

राजकीय कॉलेज में तिरंगे का अपमान

एबीवीपी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, कक्षाएं न चलने और वसूली का भी आरोप

शाहजहांपुर, तिलहर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रध्वज के अपमान का मामला सामने आया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने इस संबंध में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। एबीवीपी के छात्र नेता राजदीपक शर्मा ने बताया कि कॉलेज में कक्षाओं का नियमित संचालन नहीं हो रहा है। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। संगठन के हर्षिल ठाकुर ने कहा कि विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी से छात्रों की परीक्षाएं बाधित हो रही हैं। उन्होंने प्रयोगात्मक परीक्षाओं के नाम पर भेदभाव और वसूली का भी आरोप लगाया। हर्षिल ठाकुर ने स्कूल प्रबंधन पर राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप लगाते हुए एसडीएम से कठोर कार्रवाई की मांग की। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। एसडीएम रविंद्र कुमार ने छात्रों से ज्ञापन लेकर जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ग्रामीणों ने फौजी का किया भव्य स्वागत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ , विश्वनाथ गंज - मान्धाता नगर पंचायत क्षेत्र के अहिना वार्ड में ट्रेनिंग पूरी कर पहली बार घर लौटे फौजी का परिजनों सहित ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। नई दिल्ली के राजपुताना राइफल से ट्रेनिंग प्राप्त कर राजशेखर सिंह पुत्र रणजीत बहादुर सिंह ग्राम अहिना मान्धाता जब अपने घर पहुँचे तो क्षेत्र के सम्मानित लोग बधाई देने पहुंचने लगे। राजशेखर सिंह अपनी हाई स्कूल की परीक्षा शान्ति देवी इंटर कालेज से पूरी करके इंटर की पढ़ाई तिलक इंटर कालेज से किया। तिलक इंटर कालेज से ही एनसीसी का सी सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया। अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय सिसवा मदारी प्रयागराज से पूरी किया। राजशेखर सिंह के पिता रणजीत सिंह एक किसान है। राजशेखर सिंह की एक बहन रितिका सिंह है। राजशेखर सिंह अपने तीसरे प्रयास में अपने फौजी बनने का सपना पूरा किया जिसका श्रेय अपने पिता रणजीत सिंह तथा माता रेखा सिंह एवं चन्दन फौजी को दिया है। फौजी बनकर राजशेखर सिंह देश की सेवा करना चाहते हैं। रिटायर्ड होने के बाद राजशेखर सीआरपीएफ या उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती होकर देश एवं जनता की सेवा करना चाहते हैं। राजशेखर सिंह ने अपने सम्मान के दौरान अपनी टोपी उतार कर जब अपनी माँ रेखा सिंह को समर्पित किया तो मौजूद लोग खुशी से झूम उठे। राजशेखर सिंह को बधाई देने वाले में हिन्द मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव, अतुल सिंह, चन्दन फौजी, शांति देवी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य संजय पटेल, राजेंद्र पटेल, विजयी सिंह, शरद सिंह आदि लोग रहे।

जज-सीबीआई चीफ बनकर 1 करोड़ 2 लाख ठगे

साइबर ठगों ने बनाया डिजिटल कोर्ट, वीडियो कॉल पर कराई पेशी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक व्यक्ति साइबर ठगों का शिकार होकर 'डिजिटल अरेस्ट' का शिकार हो गया। आरोपियों ने खुद को सीबीआई चीफ, जस्टिस खन्ना और एक आईपीएस अधिकारी बताकर उससे एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर डाली। फोन पर पीड़ित को बताया गया कि उसके बैंक खाते से 2.80 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ है। इंकार करने के बावजूद उससे कहा गया कि उसे जमानत लेनी होगी। वीडियो कॉल के जरिए 'डिजिटल पेशी' करवाई गई और फिर एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम ठग ली गई। फिलहाल साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। चौक कोतवाली क्षेत्र निवासी पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 6 मई को उसके पास एक फोन आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का अधिकारी बताया। साथ ही खुद को विजय खन्ना, आईपीएस अधिकारी के रूप में पहचान दी और कहा कि वित्त मंत्रालय से जुड़े एक केस में उससे पूछताछ होनी है। कॉल करने वाले ने आरोप लगाया कि पीड़ित के खाते से सेंट्रल बैंक मुंबई में 2.80 करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए हैं। व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर पूछताछ के दौरान पीड़ित ने इनकार किया और बताया कि वह पिछले 20 वर्षों से मुंबई नहीं गया है। 7 मई को एक अन्य कॉल में कॉलर ने खुद को सीबीआई चीफ बताया और कहा कि उसे जस्टिस खन्ना के समक्ष पेश होना होगा। उसे टेबलेट के माध्यम से वीडियो कॉल पर पेश किया गया। वहां एक व्यक्ति ने खुद को जस्टिस खन्ना बताया और कहा कि पीड़ित की एफडी 94 लाख रुपये की है, जिसे लिक्विडेट करके बताये गए अकाउंट में ट्रांसफर कर दे। पीड़ित ने 14 मई को ठगों द्वारा बताए गए अकाउंट में 71 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। साइबर क्राइम थाना प्रभारी सर्वेश कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

गंगा दशहरा पर बाबू रामप्रकाश यादव चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शरबत वितरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ , विश्वनाथ गंज- नेवाड़ी जेठवारा गंगा दशहरा के पावन अवसर पर बाबू रामप्रकाश यादव चैरिटेबल ट्रस्ट (पंजीकृत) द्वारा मेले में पधारे श्रद्धालुओं के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य का आयोजन संस्था के अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी श्री विजय यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। भीषण गर्मी में शीतल शरबत से श्रद्धालुओं को राहत मिली और सभी ने इस सेवा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विधि सलाहकार एडवोकेट श्री जगदम्बा प्रसाद यादव, विनय यादव, गुल्लूर यादव, लवलेश यादव, सुधीर विश्वकर्मा एवं पंकज यादव का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी जनसेवा के ऐसे कार्य निरंतर चलते रहेंगे।

पानी से भरी खंती में गिरकर बाइक सवार की मौत

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, बाइक पर लिखे नंबर से हुई पहचान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, लखनऊ-सीतापुर हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ। रोजा थाना क्षेत्र के गुरारी चौकी के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार संजीव वाजपेयी पानी से भरी खंती में जा गिरे। थाना सदर बाजार क्षेत्र के अंटा मोहल्ले निवासी संजीव वाजपेयी बाइक में लगने वाले झोले बनाने का काम करते थे। वह रात में बाइक से घर से निकले थे। हादसे में खंती में गिरने के बाद चोट लगने और पानी भरा होने के कारण वह उठ नहीं पाए। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बाहर निकलवाया सुबह करीब 7 बजे राहगीरों ने खंती में बाइक देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाइक को बाहर निकलवाया। खंती के पानी में तलाश करने पर युवक का शव मिला। पुलिस ने बाइक नंबर से पहचान कर परिजनों को सूचित किया। वाहन की तलाश कर रही है। पुलिस परिजनों के अनुसार, संजीव अपनी पत्नी, दो बेटियों और मां का भरण-पोषण करते थे। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

थाने में युवकों ने पुलिस से गाली-गलौज कर की धक्का-मुक्की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, सदर बाजार थाने में एक अजीब मामला सामने आया है। थाने में कुछ युवकों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की। यह घटना तब हुई जब पुलिस दो बुलेट सवार युवकों को थाने लाई थी। घटना लाल इमली चौराहे की बताई जा रही है। है। यहां बुलेट सवार दो युवकों ने एक महिला को टक्कर मार दी थी। महिला दवा लेकर लौट रही थी। हंगामे के बाद पुलिस दोनों युवकों को थाने ले आई। इसके बाद उनके साथी उन्हें छुड़ाने थाने पहुंच गए। युवक लॉकअप से अपने साथियों को छुड़ाने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने उन्हें रोका तो वे हंगामा करने लगे। एक युवक ने दरोगा का हाथ पकड़ लिया और काफी देर तक नहीं छोड़ा। युवकों ने करीब दो घंटे तक थाने में हंगामा किया। घटना का वीडियो सामने आए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिसकर्मी कार्रवाई करने के बजाय युवकों को मनाते रहे। जिस बुलेट पर युवक सवार थे, उस पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। इस घटना के बाद पुलिस की काफी आलोचना हो रही है। सदर पुलिस ने इस घटना की जानकारी अपने आलाधिकारियों को न देकर पूरे प्रकरण को दबा दिया। लेकिन हंगामा करने वाले एक युवक ने रौब दिखाने के लिए उसी वीडियो पर गाना लगाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद सदर पुलिस की सच्चाई सामने आ गई।

फिलहाल अब पुलिस के आलाधिकारी घटना की जानकारी करने की बात कर रहे हैं।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

रोक के बावजूद ग्रेटा थनबर्ग गाजा के लिए निकलीं

राहत सामग्री लेकर जहाज से ईद पर पहुंचेंगी; इजराइली सेना गिरफ्तार कर सकती है

एजेंसी

तेल अवीव, स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग जहाज से गाजा की यात्रा पर निकली हैं। वे अपने साथ गाजा के लोगों के लिए दवा, अनाज, बच्चों के लिए दूध, डाइपर और वाटर प्यूरीफायर ले जा रही हैं। इसमें उनके साथ 11 और लोग हैं जो मैडलीन नाम के एक जहाज पर सवार हैं। थनबर्ग अपनी टीम के साथ इटली के सिसली द्वीप से 1 जून को रवाना हुई थी। अगर कोई रुकावट नहीं हुई तो 2000 किमी की दूरी तय कर मैडलीन जहाज 7 जून यानी कि ईद के दिन गाजा पहुंच जाएगा। इस यात्रा का मकसद सिर्फ मदद पहुंचाना ही नहीं, बल्कि इजराइल द्वारा गाजा पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध जताना भी है। इस बीच इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग की इस यात्रा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। इजराइली सेना ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर जरूरी कदम उठाएंगे। हालांकि ग्रेटा और उनके साथी इस अभियान को पूरी तरह शांतिपूर्ण और मानवीय बता रहे हैं।

मैडलीन की लोकेशन लाइव ट्रैक की जा रही है। 4 जून को यह सिसिली से 600 किमी दूर था। मंगलवार रात को ग्रीस के तट से 68 किमी दूर एक ड्रोन इसके ऊपर मंडराता देखा गया, जो ग्रीक कोस्टगार्ड का था। इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में राहत सामग्री की एंट्री पर पूरी तरह रोक लगा रखी है, जिससे वहां 23 लाख लोगों में से 93% भुखमरी का सामना कर रहे हैं। दर्जनों बच्चे भूख से मर चुके हैं। मैडलीन जहाज का मकसद इन लोगों तक मदद पहुंचाना है। मैडलीन जहाज फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन (एफएफसी) का हिस्सा है। यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो गाजा पर लगी इजराइली नाकेबंदी को चुनौती देने के लिए मानवीय अभियानों को चलाता है। यह जहाज दक्षिण इटली के कातानिया पोर्ट से रवाना हुआ है और इसमें जीवन रक्षक सामग्री लदी हुई है। एफएफसी ने इसे एक शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध बताया है। उनके मुताबिक, जहाज पर सवार सभी कार्यकर्ता और चालक दल के सदस्य अहिंसा के सिद्धांत में प्रशिक्षित हैं और यह मिशन पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। शुरूआत में इजराइल इस जहाज को गाजा में डॉक करने की अनुमति देने के लिए विचार कर रहा था, बशर्ते कि यह सुरक्षा के लिए कोई सुरक्षा खतरा न बने। लेकिन इजराइल की सरकारी ब्रॉडकास्टर केएएन के मुताबिक, अब सरकार ने अपना फैसला बदल लिया है। अब इजराइल का तर्क है कि अगर एक बार मैडलीन जैसे जहाज को मंजूरी दी गई, तो आगे चलकर इस तरह की कोशिशों को बढ़ावा मिलेगा। इससे इजराइल के समुद्री प्रतिबंध कमजोर पड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ सकता है।

इसलिए सरकार ने यह साफ कर दिया है कि मैडलीन को गाजा तट से पहले ही रोक दिया जाएगा। इससे पहले भी एफसीसी के कॉन्साइंस नाम के जहाज ने मई 2025 में एक और कोशिश की थी। हालांकि, इजराइल ने उसे परमिशन नहीं दी थी। येरुशलम पोस्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने कहा कि वे किसी भी हाल में मैडलीन को तट पर उतरने की इजाजत नहीं देंगे।

सरकार से हटते ही मस्क बोले-ट्रम्प को पद से हटाएं

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- इलॉन पागल हुए, उनके सरकारी ठेके और सब्सिडी खत्म कर देंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार से हटते ही इलॉन मस्क खुलकर उनका विरोध कर रहे हैं। गुरुवार रात को मस्क और ट्रम्प के बीच तीखी बहस हुई। बहस इतनी बढ़ी कि मस्क ने ट्रम्प को पद से हटाने की बात कह दी। मस्क ने कहा उनकी मदद के बिना ट्रम्प चुनाव नहीं जीत पाते। ट्रम्प के 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को फिजूलखर्ची बताते हुए उन्होंने कहा उन्हें पद से हटा देना चाहिए। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए। इलॉन मस्क के हमलों से नाराज ट्रम्प ने कहा कि मस्क पहले इस बिल पर खामोश रहे और सरकार से हटते ही पलट गए। वे पागल हो चुके हैं। उन्होंने मस्क की कंपनियों के सरकारी ठेके और सब्सिडी खत्म करने की धमकी भी दी। ट्रम्प ने गुरुवार रात करीब 9:35 बजे मीडिया से बात की। पत्रकारों ने पूछा कि मस्क ने आपके बिग ब्यूटीफुल बिल (टैक्स और खर्च बिल) की आलोचना की है। इसके बारे में आप क्या कहेंगे? इसके जवाब में ट्रम्प ने कहा- मुझे हमेशा से इलॉन पसंद रहे हैं। आपने देखा होगा कि उन्होंने मेरे लिए क्या कहा, उन्होंने मेरे बारे में कुछ भी बुरा नहीं कहा है। मैं चाहूंगा कि वे बिल की बजाय मेरी आलोचना करें, क्योंकि बिल शानदार है। यह हमारे देश के इतिहास में सबसे बड़ी कटौती है। ट्रम्प ने आगे कहा- इलॉन को इस बिल की पूरी जानकारी थी, शायद यहां बैठे किसी भी इंसान से ज्यादा। उन्हें इससे कोई समस्या नहीं थी। उन्हें अचानक दिक्कत तब हुई, जब पता चला कि हमें इलेक्ट्रिक व्हीकल (ई.वी) मैंडेट में कटौती करनी होगी, क्योंकि इसमें अरबों डॉलर का खर्च है। मैं उनकी बात समझ सकता हूं, लेकिन उन्हें बिल की हर बात पता थी। उन्होंने कभी कोई शिकायत नहीं की, लेकिन वे जैसे ही हमारी सरकार से अलग हुए, उनकी राय बदल गई। मैं इलॉन से बहुत निराश हूं। मैंने उनकी बहुत मदद की है। मस्क ने ट्रम्प के दावे को झूठा बताते हुए कहा, 'मुझे टैक्स और खर्च बिल बिल के बारे में कुछ नहीं पता था। ट्रम्प का दावा झूठा है।' मस्क ने एक्स पर लिखा- यह झूठ है। मुझे यह बिल कभी नहीं दिखाया गया और इसे आधी रात को इतनी जल्दी पास किया गया कि कांग्रेस (संसद) के किसी भी सांसद को इसे पढ़ने का मौका तक नहीं मिला। दरअसल, बाइडेन सरकार ने एक नीति बना रखी थी जिसमें कार कंपनियों को ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने को कहा गया था।

ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए चीन से फ्यूल मंगाया

रिपोर्ट – 800 मिसाइलें बन सकती हैं; बीजिंग ने पल्ला झाड़ा, कहा – हमें जानकारी नहीं

एजेंसी

तेहरान/बीजिंग, ईरान ने चीन से हजारों टन ठोस ईंधन और रॉकेट ऑक्सिडाइजर अमोनियम परक्लोरेट मंगवाया है। इससे वह 800 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें बना सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक यह शिपमेंट आने वाले महीनों में ईरान पहुंचेगा और इसका मकसद है ईरान की कमजोर हो चुकी सैन्य ताकत को दोबारा खड़ा करना। इजराइल के हालिया हमलों के बाद ईरान अपने मिसाइल स्टॉक को फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक यह फ्यूल ईरान की एक कंपनी पिशगामन तेजरत रफी नोविन ने हॉन्गकॉन्ग स्थित से लायन कमोडिटीज होल्डिंग्स लिमिटेड मंगवाया है। इस रिपोर्ट के बाद चीन की सरकार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस डील की कोई जानकारी नहीं है और चीन हमेशा डुअल-यूज (सैन्य और नागरिक दोनों उपयोग) वाली चीजों के निर्यात पर कड़ी नजर रखता है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने पहले भी कहा है कि ईरान के मिसाइल कार्यक्रम में चीनी कंपनियों और लोगों की भूमिका रही है। अप्रैल में अमेरिका ने चीन, हॉन्गकॉन्ग और ईरान की 12 कंपनियों और व्यक्तियों पर पाबंदी भी लगाई थी। फरवरी और मार्च में ईरान के बंदर रजई बंदरगाह पर एक भीषण विस्फोट हुआ था जिसमें एमोनियम परक्लोरेट के फटने की बात सामने आई थी। माना जा रहा है कि यह वही सामग्री थी जो चीन से आई थी। यह 260 शॉर्ट रेंज मिसाइलें बनाने के लिए काफी था। ईरान ने इस विस्फोट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की, लेकिन इससे यह साफ हुआ कि ईरान चुपचाप चीन से मिसाइल ईंधन खरीद रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट कहती है कि यह डील ट्रम्प के ईरान को परमाणु वार्ता का प्रस्ताव देने से पहले ही तय हो चुकी थी। इजराइल ने अक्टूबर 2024 में ईरान पर हमले किए थे। इन हमलों में ईरान के 12 प्लैनेटरी मिक्सर्स नष्ट हो गए थे। ये मिक्सर्स, मिसाइलों के लिए ईंधन तैयार करने के काम आते हैं। ईरान अब इन संयंत्रों की मरम्मत कर रहा है ताकि बैलिस्टिक मिसाइल प्रोडक्शन फिर से शुरू किया जा सके। दूसरी तरफ अमेरिका और इजराइल, यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को लगातार निशाना बना रहे हैं। इससे ईरान का अहम प्रॉक्सी कमजोर हुआ है। सीरिया में बशर अल-असद की सत्ता के गिरने से भी ईरान की पकड़ ढीली हुई है।

लेबनान के हिजबुल्लाह पर हुए हमलों ने भी ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को झटका दिया है।

रूस का यूक्रेन पर जवाबी हमला

400 से ज्यादा ड्रोन और 40 मिसाइलें दागीं; 4 की मौत, 50 घायल; पुतिन ने कहा था- बदला जरूर लूंगा

एजेंसी

रूस ने बीती रात यूक्रेन की राजधानी कीव और प्रमुख शहरों पर 400 से ज्यादा ड्रोन और 40 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। यह हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत के एक दिन बाद हुआ। इन हमलों में यूक्रेन के 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 50 से ज्यादा से घायल हैं। रूस के हमले के बीच सभी यूक्रेनी क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी जारी कर दी गई है। यूक्रेन की एयरफोर्स ने कहा कि रूस के टीयू-95 एमएस बाम्बर एयरक्राफ्ट ने क्रूज मिसाइलें दागीं है। यूक्रेन के कीव, टर्नोपिल, खमेलनित्सकी, ल्विव और लुत्स्क से विस्फोटों की खबरें सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 जून को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ यूक्रेन और ईरान के मुद्दे पर करीब 75 मिनट बात की थी। ट्रम्प ने बताया था कि पुतिन ने कहा कि वो यूक्रेन की तरफ से हाल ही में रूस के अंदर किए गए ड्रोन अटैक का बदला लेंगे। यूक्रेन ने 1 जून को रूस के एयरबेस पर ड्रोन हमला किया था। इन हमलों में रूस के 5 एयरबेस पर मौजूद 41 एयरक्राफ्ट्स को निशाना गया। यूक्रेन ने इस ऑपरेशन को स्पाइडर वेब नाम दिया था। यूक्रेनी मीडिया के अनुसार कीव में ड्रोन हमलों से कई जगह आग लग गई। जिसके कारण कम से कम 4 लोग मारे गए और 20 घायल हुए, जिनमें 16 को अस्पताल में भर्ती किया गया। हमले में कई रिहायशी इमारतों, पेट्रोल पंप, शैक्षणिक संस्थान और मेट्रो लाइन को भी नुकसान पहुंचा है। हमले के कारण यूक्रेन के डार्नित्सिया और लिवोबेरेज्ना स्टेशनों के बीच मेट्रो लाइन पर ट्रैक और केबल क्षतिग्रस्त हो गए,

'डबल इंजन सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है...

राजस्थान सरकार पर सचिन पायलट का निशाना

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि डबल इंजन सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारी हावी हैं और मनमर्जी से काम होता है।

एजेंसी

राजस्थान में भाजपा सरकार के दो साल पूरे हो चुके हैं। ऐसे में जहां बीजेपी अपनी तारीफों के पुल बांध रही हैं वहीं विपक्ष राज्य सरकार की कमियां गिना रहा है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने गुरुवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार प्रशासन पर अपनी पकड़ खो चुकी है और सत्ता के कई केंद्र इसकी बागडोर अपने हाथ में ले रहे हैं। उन्होंने कहा, उनके बीच इतना तनाव है कि सरकार अपनी पकड़ खो चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पंचायतों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि डबल इंजन सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारी हावी हैं और मनमर्जी से काम होता है। पायलट ने टोंक में मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, पूरा देश यह जान चुका है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है, कामयाब नहीं हो रहा। डबल इंजन सरकार का संदर्भ केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने के लिए दिया जाता है। सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा - पायलट उन्होंने कहा, सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल को देखकर लगता है कि जो काम हम करके गये थे, जो हमने शुरू कर दिए थे और मंजूर कर दिए थे, वे इन कामों की देखरेख भी नहीं कर पा रहे। पायलट ने कहा, यह बहुत दुखद बात है कि सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ दिल्ली के आकाओं को खुश करने में लगा हुआ है। अपनी कुर्सी बचाने के लिए पूरी सरकार सत्ता के संघर्ष में लगी है। अधिकारी हावी हैं। मनमर्जी से काम होता है। बड़े-बड़े पदों पर बैठे सत्ताधारी लोगों की कोई सुन नहीं रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर जनता का पूरा भरोसा है और आने वाले समय में लोगों का आशीर्वाद उसे मिलेगा। एक बयान के अनुसार पायलट ने टोंक में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें बिजली, पेयजल और आम जनता की अन्य समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये।

2027 में पीडीए सरकार में ही सही ढंग से होगी जाति जनगणना : अखिलेश यादव

मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि 2027 में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) सरकार में जाति जनगणना होगी। तभी जनगणना सही तरीके से हो पाएगी। इसके अलावा अखिलेश यादव ने दावा किया कि आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का एक अधूरा संग्रहालय है, जिसे समाजवादी पार्टी की सरकार न केवल पूरा कराएगी, बल्कि लखनऊ में शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा भी स्थापित करेगी।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि जाति जनगणना 2027 में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) सरकार के तहत ही ठीक से की जाएगी। मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि 2027 में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) सरकार में जाति जनगणना होगी। तभी जनगणना सही तरीके से हो पाएगी। इसके अलावा अखिलेश यादव ने दावा किया कि आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का एक अधूरा संग्रहालय है, जिसे समाजवादी पार्टी की सरकार न केवल पूरा कराएगी, बल्कि लखनऊ में शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा भी स्थापित करेगी। अखिलेश यादव ने कहा, ₹छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान व्यक्तित्व के सम्मान में...आगरा में एक अधूरा संग्रहालय है, जिसके वास्तुकार विश्व प्रसिद्ध हैं...हम समाजवादी न केवल उनके नाम पर संग्रहालय बनाएंगे, बल्कि लखनऊ रिवरफ्रंट पर छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा भी स्थापित करेंगे; उनका सिंहासन सोने का बना होगा। समाजवादी 2027 में भी उन्हें इसी तरह सम्मानित करेंगे।₹ उत्तर प्रदेश में 2027 में अगला विधानसभा चुनाव दो सबसे प्रमुख पार्टियों यानी भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच होगा। कांग्रेस के सपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की संभावना है।

मौजूदा सत्र में उत्तर प्रदेश विधानसभा में 403 निर्वाचित सदस्य हैं, जिनमें से 258 भारतीय जनता पार्टी, 107 समाजवादी पार्टी और 13 अपना दल के हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय लोक दल के नौ, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के छह, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के पांच, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक और कांग्रेस के दो-दो और बहुजन समाज पार्टी का केवल एक प्रतिनिधि है। इससे पहले आज कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नालंदा के राजगीर में 'संविधान सभा' ??में शामिल हुए।

पाकिस्तान जैसी है राहुल गांधी की भाषा

करना चाहिए इनका बहिष्कार, कांग्रेस नेता पर गिरिराज सिंह का वार

गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अपमान नहीं हो रहा है। 1971 में सेना जीती थी या इंदिरा जी जीती थीं? सेना जीती थी। अटल जी विपक्ष में थे और उन्होंने कहा था कि अब कोई पार्टी नहीं है, सिर्फ.भारत है।

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'बेकार' बताया और उन पर सेना का अपमान करने का आरोप लगाया। सिंह ने ये टिप्पणियां राहुल गांधी के बिहार दौरे पर टिप्पणी करते हुए कीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बातें पाकिस्तान जैसी हैं और वह देश का सम्मान नहीं करते। पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, 'राहुल गांधी ने भारत के पराक्रम का विरोध किया, सेना की बहादुरी पर सवाल उठाए और दुनिया भर में सेना की प्रतिष्ठा को धूमिल किया। बिहार की जनता उनका विरोध करेगी, वह ऐसे व्यक्ति को वोट क्यों देगी जो सेना और देश का सम्मान नहीं करता? राहुल गांधी की जुबान पाकिस्तान जैसी है और वह देश का सम्मान नहीं करते।' गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का अपमान नहीं हो रहा है। 1971 में सेना जीती थी या इंदिरा जी जीती थीं? सेना जीती थी। अटल जी विपक्ष में थे और उन्होंने कहा था कि अब कोई पार्टी नहीं है, सिर्फ. भारत है। और ये निकम्मा आदमी (राहुल गांधी) देश की वीरता और सेना का मजाक उड़ा रहा है। ऐसे आदमी का बहिष्कार किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को बिहार के गया एयरपोर्ट पहुंचे। कांग्रेस के आधिकारिक अकाउंट एक्स के अनुसार, वे 'संविधान सम्मेलन' को संबोधित करेंगे और कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

अपने जानमाल की रक्षा स्वयं करें, तेजस्वी का एनडीए सरकार पर निशाना

राजद नेता ने कहा कि एम्स में इतनी अव्यवस्था है। मरीजों के परिजन सड़कों पर आराम कर रहे हैं। मरीजों को बेड नहीं मिल रहे हैं। सीएम की मानसिक स्थिति बेसुध है और अब वे अपने पद पर बने रहने में असमर्थ हैं। वहीं, एक एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि सूचना जनहित में जारी।

बोले- बिहार में अपराधी बेलगाम

एजेंसी

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज है। नेताओं के बीच एक-दूसरे पर आरोप और प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार में कानून व्यवस्था और बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश सरकार पर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हैं। लगातार कई घटनाएं सामने आ रही हैं और पुलिस बेबस नजर आ रही है। सरकार भी सो रही है, ऐसा लग रहा है जैसे उन्हें कुछ करना ही नहीं है। राजद नेता ने कहा कि एम्स में इतनी अव्यवस्था है। मरीजों के परिजन सड़कों पर आराम कर रहे हैं।

मरीजों को बेड नहीं मिल रहे हैं। सीएम की मानसिक स्थिति बेसुध है और अब वे अपने पद पर बने रहने में असमर्थ हैं। वहीं, एक एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि सूचना जनहित में जारी। बिहार में सतर्क रहे, सचेत रहे, सावधान रहे! अपने जानमाल की रक्षा स्वयं करें क्योंकि बिहार में 20 वर्षों की एनडीए सरकार के सत्ता संरक्षित अपराधी कभी भी, कहीं भी, कैसे भी कुछ भी वारदात कर सकते है।

इससे पहले तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की ताकि समाज के कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 85 फीसदी करने के लिए नये विधेयक पेश किए जा सकें।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने यह पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। पत्र में उन्होंने नीतीश सरकार पर इस मुद्दे पर जानबूझकर टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी जब बिहार के उपमुख्यमंत्री थे, तब राज्य में कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 75 फीसदी कर दिया गया था।

संक्षेप

ग्राम प्रधान पर भ्रष्टाचार का आरोप

इंटरलॉकिंग और मनरेगा में फर्जी भुगतान का मामला, ग्रामीण ने सीडीओ को दी शिकायत

सुलतानपुर, जिले के कूरेभार ब्लॉक में ग्राम प्रधान पर सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। सैफुल्लागंज गांव के निवासी मोहम्मद सोहराब ने मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। शिकायत में बताया गया है कि ग्राम प्रधान अजरा बेगम ने कई विकास कार्यों का भुगतान तो करा लिया, लेकिन काम नहीं कराया। दुर्गेश के घर से इबरार के घर तक इंटरलॉकिंग का मैटेरियल भुगतान किया गया, लेकिन काम नहीं हुआ। नेशनल स्टार स्कूल से ताहिर के दरवाजे तक का पूरा भुगतान कराया, जबकि आधा काम ही हुआ। हाफिज रऊफ के घर से कब्रिस्तान तक इंटरलॉकिंग का पैसा निकाला, पर काम नहीं कराया। अवैध भुगतान का आरोप इसके अलावा मनरेगा में भी अनियमितता का आरोप है। प्रधान ने अपने परिवार के सदस्यों को अवैध भुगतान कराया। मिर्जा अतहर बेग को 4,950 रुपये, महताब खान को 7,650 रुपये और मिर्जा राफे बेग को 4,029 रुपये का भुगतान कराया गया। शिकायतकर्ता ने मुख्य विकास अधिकारी से जांच टीम भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस पर हमला किया था, आरोपियों को संरक्षण देने पर कार्रवाई

सुलतानपुर, पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश में चलाए जा रहे अभियान के तहत कादीपुर थाना पुलिस ने तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राम आसरे मिश्रा पुत्र रामदौर मिश्रा, श्रीचन्द्र पुत्र पंचम और संगीता शुक्ला पत्नी अनिल कुमार शामिल हैं। तीनों आरोपी रानीपुर कायस्थ और गोपालपुर नमाजगढ़ के रहने वाले हैं। इन आरोपियों पर मुकदमा संख्या 0292/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। आरोपियों ने मुकदमा संख्या 237/25 में नामजद ऋषभ शुक्ला समेत पांच अन्य आरोपियों को संरक्षण दिया था। कोर्ट में पेश कर भेजा जाएगा जेल प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर के नेतृत्व में वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, उप निरीक्षक पंकज कुमार राय, हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र प्रताप सिंह और महिला हेड कांस्टेबल ममता यादव की टीम ने यह कार्रवाई की। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

शादी से पहले प्रेमी संग फरार हुई युवती

12 जून को होनी थी शादी, नाबालिग युवक के साथ नकदी और जेवर लेकर भागी

सुलतानपुर, देहात कोतवाली क्षेत्र में एक युवती अपने नाबालिग प्रेमी के साथ फरार हो गई। युवती की शादी 12 जून को होनी थी और सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। 4 जून को युवती घर से नकदी, जेवरात और कपड़े लेकर गायब हो गई। परिवार ने रिश्तेदारों और आस-पास के इलाकों में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। युवती की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

छात्रों ने आयोग ऑफिस घेरा

दोनों गेट बंद किए, प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की मांग; बोले-हमें दावे नहीं, लिखित आदेश चाहिए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर 8 दिन से धरना चल रहा है। जो महाधरने में बदल गया। छात्रों ने आयोग के दोनों गेटों को घेर लिया। इतना ही नहीं बाहर से बंद कर दिया। इस दौरान आयोग कर्मी अंदर ही बंद हो गए। इसके बाद जमकर नारेबाजी करने लगे। कहा- 'हमें दावे नहीं, लिखित आदेश चाहिए'। जानकारी पर सिटी मजिस्ट्रेट व एसीपी पहुंचे। जो छात्रों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान कई थानों की फोर्स बुला ली गई है। धरना लगातार चलेगा और रात दिन चलेगा उदय सिंह ने बताया-हमनें आयोग के दोनों गेट बंद कर दिए। आयोग के उप सचिव और अध्यक्ष ने हमें 10 दिन का वादा दिया था। वो भी पूरी मीडिया के सामने प्रशासन की मौजूदगी के सामने। लेकिन, आयोग के जो उप सचिव और अध्यक्ष दोनों लोग यहां से लापता है। क्योंकि उनको पता है कि 10 दिन में दिया गया उनका आश्वासन। कहीं ना कहीं झूठ निकला। ये युवाओं के साथ धोखा है, छलावा है। इनको अपने दिए गए वादे को पूरा करना था। प्रशासन का डेलीगेशन मुझसे बात करने से पता नहीं क्यों बच रहा है। वो मुझसे बात नहीं कर रहा है। मेरे सवालों का जवाब नहीं दे पा रहा है। इसलिए नहीं बात करना चाह रहा है। आगे की रणनीति। आगे की रणनीति यही है जो हजारे छात्र प्रदेश से आए हैं वो कहां जाएंगे? इसलिए यहीं धरना लगातार चलेगा और रात दिन चलेगा है। अभ्यर्थियों ने अनुपात- समानुपात का भूत उतारने को हनुमान चालीसा पढ़ी 6 जून को अभ्यर्थियों ने मुर्गा बनकर आयोग के कार्यालय के चारों ओर घूमकर जुलूस निकाला था। सरकार से नई प्राथमिक शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी करने की गुहार लगाई थी। आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने धरने पर बैठे कुछ अभ्यर्थियों से बात की, लेकिन अभ्यर्थी धरने से हटने को तैयार नहीं हुए। देर रात को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार और आयोग का अनुपात-समानुपात का भूत उतारने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया। भजन कीर्तन किया। कहा- आज नहीं तो कल अंधेरे से प्रकाश की किरण निकलेगी।

डीएलएड प्रशिक्षुओं के प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह ने बताया कि प्रदेश के परिषद विद्यालयों में 1,81,276 पद रिक्त हैं। यह आंकड़ा प्रोजेक्ट एग्रूवल बोर्ड (पीएबी) की रिपोर्ट में भी दर्ज है। आंदोलन को राजनीतिक समर्थन भी मिल रहा है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे को उठाया था। सांसद पुष्पेन्द्र सरोज ने लोकसभा में पीएबी रिपोर्ट का हवाला देते हुए नई भर्ती की मांग की थी।

मेजा में बोलेरो-बाइक की जोरदार टक्कर

मां की मौत, बेटा गंभीर रूप से घायल; परिजनों की शिकायत पर पुलिस कार्रवाई शुरू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, मेजा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। कठौली गांव के पास बोलेरो और बाइक की टक्कर में 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। उसका 18 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। मेजा के सपहा गांव की रहने वाली विमला देवी अपने बेटे सूर्यभान के साथ बाइक से करचना जा रही थीं।

प्रयागराज-मुजार्पुर हाइवे पर कठौली गांव के सामने बेकाबू बोलेरो ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। मेजा थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय और मेजा रोड चौकी इंचार्ज रमेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल सूर्यभान को तुरंत अस्पताल भिजवाया। विमला देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है। मेजा रोड चौकी इंचार्ज के अनुसार, मृतका के परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

जमीन विवाद में पुलिस की कार्रवाई से नाराज महिलाएं

- लाठी-डंडों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचीं, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जामो थाना क्षेत्र के उमराडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। मामला संकठा सरोज के मकान निर्माण का है। उनके पड़ोसियों ने निमार्णाधीन दीवार को गिरा दिया था। पीड़ित ने थाने में शिकायत की। लेकिन पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई करने की बजाय शिकायतकर्ता का ही चार बार चालान कर दिया। पीड़ित ने अपने संगठन के अध्यक्ष को इसकी जानकारी दी। संगठन अध्यक्ष ने एसडीएम और तहसीलदार को कई बार फोन किया। लेकिन दोनों अधिकारियों ने फोन नहीं उठाया। इससे नाराज होकर किसान नेत्री रीता सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाएं लाठी-डंडे लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचीं। महिलाओं ने अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने एसडीएम गौरीगंज को ज्ञापन सौंपकर न्याय की मांग की। रीता सिंह ने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही से पीड़ित परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला में मोदी सरकार की उपलब्धियां

11 जून से सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण अभियान शुरू होगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा ने जिला कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया। प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी मीना चौबे ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मीना चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तेजी से बदलाव आ रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को हर बूथ और घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मजबूत हुई है। कार्यशाला में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। जिला महामंत्री घनश्याम चौहान ने वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि 11 से 21 जून तक सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण अभियान चलेगा। 11 जून को प्रेस वार्ता होगी और सरकार की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संदीप सिंह ने किया। इस मौके पर विजय त्रिपाठी, धर्मेंद्र कुमार, अनीता पांडेय समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा ने संकल्प लिया कि मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।

किसानों को मिली पशुपालन और कृषि की जानकारी

- मां कालिका धाम में गोष्ठी का आयोजन, वैज्ञानिकों ने दिए सुझाव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, मां कालिका धाम में कृषि विभाग द्वारा आयोजित गोष्ठी में किसानों को महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। कृषि वैज्ञानिकों ने पशुपालन और डेयरी उद्योग के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी साझा की। साथ ही धान की बेहतर खेती के तरीके भी बताए गए। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञ प्रदीप पांडेय ने फसलों में लगने वाले कीड़ों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान प्रगतिशील किसानों ने भी अपने अनुभव साझा किए। गोष्ठी में किसानों ने अपनी समस्याएं भी रखीं। उन्होंने धान के उन्नतशील बीज की उपलब्धता न होने की शिकायत की। कुछ किसानों ने आवारा पशुओं से जायद की फसल को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठाया। खंड विकास अधिकारी शिव पूजन भारतीय ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

एसपी ने ली पुलिस लाइन में परेड

पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवाई, बैरक और शस्त्रागार का निरीक्षण किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड का दौरा किया।

उन्होंने परेड की सलामी ली और निरीक्षण किया। पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखने के लिए दौड़ लगवाई गई। अनुशासन और एकरूपता के लिए ड्रिल भी कराई गई। परेड में पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय और जनपद के विभिन्न थानों व शाखाओं के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। एसपी ने सभी पुलिसकर्मियों को साफ-सुथरी वर्दी पहनने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन का मुआयना किया। इस दौरान बैरक, शस्त्रागार, मेस, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा और पीआरवी 112 का निरीक्षण किया। अभिलेखों का रखरखाव देखा उन्होंने साफ-सफाई और अभिलेखों के रखरखाव के लिए आवश्यक निर्देश दिए। विभिन्न रजिस्टरों और अभिलेखों की जांच कर उन्हें अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के बाद पुलिस कर्मचारियों का अर्दली रूम किया गया।

इस मौके पर क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्र, क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सिपाही के खिलाफ पत्नी ने कराई एफआईआर

अलीगढ़ में पीड़िता बोली, 5 लाख के लिए मारपीट की और गर्भ गिराया; दूसरी महिला के साथ है संबंध

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, क्वार्सी थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने कांस्टेबल पति के खिलाफ दहेज के लिए मारपीट और घर से निकालने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने बताया कि उसका पति और ससुराल के लोग उससे 5 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। जब उसने अपने मायके से रुपए मांगने से इनकार किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। फिर आरोपियों ने उसे पीटकर घर से भी बाहर निकाल दिया। उसकी शादी हापुड़ में हुई थी और वह पिछले तीन सालों से अपने मायके में ही रह रही है। परिवार के लोग लगातार समझौते की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आरोपी नहीं माने। अब उसने मुकदमा दर्ज कराया है। क्वार्सी थाना क्षेत्र के सूर्य सरोवर निवासी लवली ने बताया कि उसका विवाह 8 दिसंबर 2020 को हापुड़ के त्रिलोकपुरम निवासी नवीन सैनी पुत्र अशोक सैनी के साथ हुआ था। उसका पति नवीन पुलिस विभाग में कांस्टेबल है और मुजफ्फरनगर में तैनात है। शादी के समय उसके पिता ने 15 लाख रुपए खर्च किए थे। पीड़िता ने बताया कि शादी में मिले दहेज से उसके ससुराल के लोग खुश नहीं थे और उससे 5 लाख रुपए की मांग करते थे। उसका पति दूसरे शहर में नौकरी करता था और जब घर आता था तो उससे बात नहीं करता था। वह भी अपने परिवार के साथ मिलकर रुपए की मांग करता था और उसके साथ मारपीट करता था। पीड़िता ने बताया कि उसका पति जब घर आता था तो बाथरूम में किसी महिला से फोन पर बात करता था।

जब उसने अपने पति को रंगे हाथ पकड़ा और उसका विरोध किया तो आरोपी मारपीट करने लगा। इसके साथ ही आरोपी कहने लगा कि वह उसी महिला के साथ रहेगा।

पीड़िता ने बताया कि उसका पति कहता था कि वह उसे बिल्कुल पसंद नहीं करता है। अगर वह 5 लाख रुपए नहीं देगी तो वह उसे बाहर निकाल देगा। इसके बाद आरोपियों ने लगातार उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और फिर उसे घर से निकाल दिया। वह पिछले तीन साल से अलीगढ़ में अपने मायके में ही रह रही है। पीड़िता ने बताया कि जब वह अपने ससुराल में थी तो तीन माह के गर्भ से थी।

बांके बिहारी कॉरिडोर का बरसाना में विरोध

बोले-कॉरिडोर और अध्यादेश नहीं है मंजूर; राधा रानी मंदिर में बैनर लगाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बांके बिहारी कॉरिडोर और अध्यादेश का विरोध अब ब्रज के दूसरे मंदिरों में पहुंचने लगा है। वृंदावन, नंदगांव के बाद अब बरसाना में भी विरोध के पोस्टर लगाए गए हैं। राधा रानी मंदिर में मंदिर के पुजारियों ने कॉरिडोर और अध्यादेश लाए जाने के विरोध में जगह-जगह बैनर लगाए हैं। बांके बिहारी कॉरिडोर और अध्यादेश के विरोध में बरसाना के श्री जी राधा रानी मंदिर में नंदगांव और बरसाना के पुजारियों की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में निर्णय लिया गया कि दोनों मंदिरों से जुड़े सेवायत स्थानीय लोग वृंदावन जाएं और वहां चल रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल हों। मीटिंग में पुजारियों ने कहा कि न्यास बनाने के लिए जो अध्यादेश लाया गया वह गलत है। बरसाना के श्री जी राधा रानी मंदिर में विरोध कर रहे मंदिर के पुजारी ललित ने बताया कि कॉरिडोर बनाने पर आमादा सरकार सबसे पहले वीआईपी कल्चर को खत्म करे। आज छोटा सा नेता भी 8-10 गाड़ियां लेकर जाता है। उसे पुलिस वीआईपी ट्रीटमेंट देती है अगर मंदिरों में वीआईपी कल्चर खत्म हो जाएगा तो समस्या ही खत्म हो जाएगी। सरकार वृंदावन में कुंज गलियों को खत्म करना चाहती है जिससे उस नगरी की पहचान है।

बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा बीसी सम्मान समारोह का आयोजन

क्षेत्रीय प्रमुख ने उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित, व्यवसाय बढ़ोत्तरी में योगदान सराहा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, बैंक ऑफ बड़ौदा सुलतानपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा क्षत्रिय भवन सुल्तानपुर में बीसी और बीसी सखियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सहायक महाप्रबंधक व क्षेत्रीय प्रमुख संजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उप क्षेत्रीय प्रमुख जितेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव और आरबीडीएम अंशुल कुमार भी मौजूद रहे। क्षेत्रीय प्रमुख ने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीसी और बीसी सखियों को सम्मानित किया। उन्होंने बैंक के व्यवसाय विकास में इनके योगदान की सराहना की और मार्गदर्शन भी दिया। सम्मानित बीसी और बीसी सखियों ने कहा कि इस तरह के सम्मान से उनका उत्साह बढ़ता है।

विकसित भारत संकल्प अभियान

विशेषज्ञों ने किसानों को किया जागरूक, आधुनिक खेती की जानकारी दी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत ब्लॉक मुख्यालय पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कम खर्च में अधिक उत्पादन प्राप्त करना था। किसान राम उजागिर तिवारी ने किसानों को फसलों की निरंतर देखभाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर फसलों की देखभाल से उत्पादन बढ़ता है। भारतीय किसान संघ के प्रांतीय अध्यक्ष के के सिंह ने मिट्टी की जांच पर विशेष ध्यान दिया।

उन्होंने बताया कि फसल बोने से पहले और बाद में मिट्टी की जांच आवश्यक है। इससे पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है और उचित जैविक उर्वरकों का प्रयोग किया जा सकता है। किसान कल्याण केंद्र प्रभारी नागेन्द्र वर्मा ने सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व का खाद्य कटोरा बनाने का लक्ष्य किसानों की जागरूकता से ही पूरा होगा। संगोष्ठी में धान की फसल को रोगों से बचाने के लिए जैविक खाद और वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक सुरेन्द्र सिंह, कृषि सखी और अन्य अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी